राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 11 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-346 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

मौसम की मारः

यूपी-बिहार में गलन वाली ठंड, दिल्ली में घने कोहरे के चलते घर निकलना मुश्किल

नई दिल्ली।

पूरा उत्तर भारत ठंड और घने की कोहरे की चपेट में हैं। उप्र और बिहार में गलन वाली ठंड है। यहां घर से बाहर निकलने पर ऐसा लगता है कि हाथ ठंड से गल जाएंगे। वहीं दिल्ली और एनसीआर में घना कोहरा होने के कारण लोगों को घर से न निकलने की चेतावनी दी गई है। राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में तापमान लगभग शून्य डिग्री तक पहुंच गया है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में दोपहर में धूप खिलने से लोगों को थोड़ी राहत मिली है।

राजधानी दिल्ली की बात करें तो यहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दिल्ली में जनवरी महीने में पहली बार न्यूनतम पारा पांच डिग्री से नीचे आया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन तक सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरा देखने को मिलेगा। आईएमडी ने अगले दो दिनों के लिए कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश में भी कड़ाके की ठंड जारी है। कोहरे से भी आम जनजीवन प्रभावित है। आईएमडी ने कई जिलों में कोल्ड डे जारी किया है। नोएडा-गाजियाबाद के लोग भी कड़ाके की ठंड से परेशान हैं। इस बीच मौसम विभाग ने कहा है कि अगले कुछ मौसम साफ रहने के आसार हैं। वहीं बिहार में सर्द पछुआ हवाओं के कारण शीतलहर के हालात बने हुए हैं। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक स्थिति में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं जताई है।

मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के कारण तापमान में भारी गिरावट आ सकती है। मैदानी इलाकों में भी तापमान 5 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, वीकेंड पर दिल्ली-एनसीआर में बारिश का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के अलग-अलग इलाकों में अगले कुछ दिनों तक शीतलहर जारी रहेगी। मौसम विभाग ने शनिवार को कुछ जगहों पर हल्की बारिश या बर्फबारी का अनुमान जताया है।

स्काईमेट वेदर के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में 2 से 5 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान 24 घंटे के बाद बढ़ने लगेगा। गंगा के मैदानी इलाकों में कोहरे की तीव्रता में कमी आएगी। वहीं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। 11 जनवरी को राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। 11 और 12 जनवरी को उत्तर प्रदेश, उत्तर मध्य प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा में बारिश की गतिविधियां धीरे-धीरे बढ़ेंगी।

गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि को लेकर फंसा पेंच, आड़े आ रहे पाकिस्तान कनेक्शन

नई दिल्ली।

26 जनवरी को होने वाले गणतंत्र दिवस की तैयारियां बहुत तेजी से चल रहीं हैं। अतिथियों की सूची भी बनाई गई है और माना जा रहा है कि दुनिया की सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियंतो को समारोह का मुख्य अतिथि बनाया जाएगा। इसके लिए उन्हें न्यौता भी भेजा गया है। हालांकि सरकार की तरफ से ऐसी कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। वहीं एक खबर ये भी आ रही है कि सुबियंतो को समारोह में अतिथि बनाए जाने को लेकर एक पेंच भी फंस गया है। वो पेंच ये हैं कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत से सीधे पाकिस्तान जाना चाहते हैं। भारत सरकार यही नहीं चाहती है कि वह भारत यात्रा को पाकिस्तान दौरे के साथ कनेक्ट करें। माना जा रहा है कि भारत सरकार उन्हें मनाने की कोशश कर रही है कि वह भारत दौरे के बाद सीधे पाकिस्तान न जाएं। सूत्र के हवाले से एक अंग्रेजी अखबार ने लिखा है कि सुबियंतो 26 जनवरी की परेड में मुख्य अतिथि होंगे। मगर अब तक यात्रा के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। आम तौर पर इस तरह की घोषणा महीनों पहले ही कर दी जाती है। खबर के मुताबिक, भारत ने इंडोनेशिया के साथ इस मुद्दे को राजनयिक चैनल के माध्यम से उठाया है। भारत को उम्मीद है कि सुबियंतो को गणतंत्र दिवस समारोह के तुरंत बाद इस्लामाबाद के लिए उड़ान भरने से रोकने में कामयाबी मिलेगी। अगर रिपब्लिक डे परेड के कुछ ही घंटे बाद इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सीधे इस्लामाबाद के लिए उड़ान भरते हैं तो इससे भारत के लिहाज से गलत संदेश जाएगा। खासकर तब जब सीमा पार आतंकवाद जैसे कई मुद्दों पर पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध अच्छे नहीं हैं। जबकि इसके उलट भारत और इंडोनेशिया के बीच पारंपरिक रूप से मजबूत संबंध रहे हैं। घोषणा में देरी की वजह यह है कि पाक मीडिया में यह खबर है कि इंडोनेशियाई राष्ट्रपति 26 जनवरी को तीन दिवसीय यात्रा पर इस्लामाबाद पहुंच सकते हैं।

पहला कॉलम

सुरक्षा बलों ने नष्ट कर दिय 90 एकड़ में लगी अफीम की खेती

इंफाल । मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि सुरक्षा बलों और वन अधिकारियों ने उखरुल जिले में 90 एकड़ में लगी अफीम की खेती नष्ट किया है। यह अभियान लुंगचोंग माईफेई पुलिस थाना क्षेत्र में फली पहाड़ी रेंज में किया गया। मुख्यमंत्री ने पोस्ट कर कहा, मादक पदार्थ के खिलाफ जंग में एक और सफलता मिली। उखरुल जिला पुलिस, 6 एमआर, 18 एआर और वन विभाग के संयुक्त बलों ने उखरुल जिले के लुंगचोंग माईफेई (एलएम) पुलिस थाना क्षेत्र की फली पहाड़ी रेंज में 90 एकड़ में अफीम की खेती नष्ट कर दी और 12 झोपड़ियों को जला दिया। उन्होंने कहा, प्राथमिकी दर्ज की गई है। मैं त्वरित और समन्वित उपायों के लिए संयुक्त बलों की सराहना करता हूं।

बस का टायर फटा, खड़ी लॉरी से टकराई, चार की मौत, 17 गंभीर रुप से घायल

सूर्यपेट। तेलंगाना के सूर्यपेट जिले में शुक्रवार को सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 17 गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। यह हादसा सूर्यपेट-खम्मम राष्ट्रीय राजमार्ग पर चिव्वेनला (एम) ऐलापुरम के पास हुआ। हादसे के वक्त ओडिशा से हैदराबाद जा रही एक प्राइवेट ट्रैवल बस अचानक खड़ी लॉरी से टकरा गई। हादसे में बस का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूत्रों के मुताबिक बस में 32 लोग सवार थे, जिनमें से अधिकांश मजदूर थे। ये लोग हैदराबाद में काम करने जा रहे थे। शुक्रवार सुबह जब बस चिव्वेनला (एम) ऐलापुरम के पास पहुंची, तभी बस का टायर फट गया और चालक ने बस को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन वह एक खड़ी लॉरी से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कुछ यात्री उसमें फंसे गए थे। हादसे की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने बस में फंसे हुए घायलों को बाहर निकाला और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसे में घायल हुए लोगों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि हादसा बस के टायर के फटने के कारण हुआ, जिसके बाद बस रास्ते में खड़ी लॉरी से टकरा गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

इलाज के लिए अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन एम्स में भर्ती

नई दिल्ली । तिहाड़ जेल में बंद अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन को शुक्रवार को दिल्ली एम्स में भर्ती किया गया है। राजन को इलाज के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दिल्ली (एम्स) में भर्ती कराया गया था। छोटा राजन को 2001 में होटल व्यवसायी जया शेट्टी की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई, जबकि पत्रकार जे डे की हत्या के मामले में राजन को छह साल पहले इसी तरह की सजा सुनाई गई थी। सजा के बाद, अदालत ने दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई और राजन पर 16 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। राजन, जिसका असली नाम राजेंद्र सदाशिव निकालजे है, को अक्टूबर 2015 में इंडोनेशियाई पुलिस ने बाली से भारत प्रत्यर्पित करने से पहले गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी से पहले गैंगस्टर ने करीब तीन दशक तक फरारी काटी थी और माना जाता है कि वह भगौड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का पूर्व दाहिना हाथ था। विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) प्रदीप घरात ने कहा कि फैसले के बाद, राजन को शहर में छह मामलों सहित सात मामलों में दोषी ठहराया गया है। 2018 में एक विशेष मकोका अदालत ने वरिष्ठ अपराध पत्रकार जेडे की हत्या में राजन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

राज्य सरकारें तय करें क्रीमीलेयर को आरक्षण से बाहर रखा जाए या नहीं

कोर्ट ने कहा यह अधिकार क्षेत्र विधायिका और कार्यपालिका का

नई दिल्ली।

भारत में एससी-एसटी वर्ग को आरक्षण देने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का हाल में दिया गया फैसला महत्वपूर्ण है। अगस्त 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने इस वर्ग के क्रीमीलेयर को आरक्षण के लाभ से बाहर करने की सिफारिश की थी, ताकि आरक्षण का फायदा वास्तव में उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। इस फैसले को लागू करने की जिम्मेदारी अब राज्य सरकारों पर डाल दी गई है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि यह फैसला विधायिका और कार्यपालिका का कार्य है, अर्थात् संसद और राज्य सरकारों को यह तय करना होगा कि क्रीमीलेयर को आरक्षण से बाहर रखा जाए या नहीं। मध्य प्रदेश के एक व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसमें उसने राज्य सरकार को आदेश देने का अनुरोध किया था कि वह सरकारी भर्तियों में क्रीमीलेयर को आरक्षण लाभ से बाहर करे। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट से मांग की थी कि सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में एससी-एसटी वर्ग के क्रीमीलेयर को आरक्षण लाभ से वंचित किया जाए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दखल देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे पर जो विचार व्यक्त किए गए थे, वे केवल सुझाव थे, और इसे लागू करने का काम राज्य सरकारों का है। कोर्ट ने कहा कि यदि क्रीमीलेयर को आरक्षण से बाहर किया जाता है तो यह फैसला नीति निर्धारक निकायों द्वारा किया जाएगा, क्योंकि यह एक नीतिगत मुद्दा है। इस मामले में अटॉर्नी जनरल ने तर्क दिया था कि कोर्ट को इस प्रकार के नीतिगत फैसलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। इसके अलावा जब याचिकाकर्ता ने यह तर्क रखा कि नीति निर्धारक खुद क्रीमीलेयर मानदंड के कारण आरक्षण से वंचित हो जाएंगे, तो कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया और कहा कि यह विधायिका का काम है। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले अगस्त 2024 में एक ऐतिहासिक आदेश दिया था, जिसमें उसने एससी-एसटी वर्ग में क्रीमीलेयर की पहचान करने और उन्हें आरक्षण से बाहर करने के लिए एक तंत्र तैयार करने की जरुरत जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि ओबीसी क्रीमीलेयर का सिद्धांत एससी-एसटी पर लागू नहीं हो सकता और इसके लिए एक अलग तंत्र होना चाहिए। यह फैसला उन लोगों के हित में था जिन्होंने आरक्षण का लाभ लिया और समाज में उच्च पदों तक पहुंचे।

इस आदेश के बाद कई दलित समुदाय के प्रभावशाली वर्गों ने इसका विरोध किया था, उनका कहना था कि इससे एससी-एसटी समुदाय की एकता को खतरा हो सकता है। इस मुद्दे पर समाज में विभाजन के डर को लेकर प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। हालांकि कोर्ट का मानना है कि जिन लोगों ने जीवन में उच्च पदों पर पहुंचने के बाद आरक्षण का लाभ लिया है, उन्हें अब सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछड़ा नहीं माना जा सकता और उन्हें आरक्षण का लाभ जारी रखने की भी जरुरत नहीं है।

केंद्र सरकार को गंगा मेला को राष्ट्रीय मेले का दर्जा देना चाहिएः ममता

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि गंगासागर मेला 'कुंभ मेले से भी बड़ा है' और इसकारण केंद्र सरकार को गंगा मेला को राष्ट्रीय मेले का दर्जा देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि केंद्र कुंभ मेला के आयोजन के लिए हजारों करोड़ रुपये देती है, लेकिन पश्चिम बंगाल सरकार को मकर संक्रांति के मौके पर गंगा नदी और बंगाल की खाड़ी के संगम पर कपिल मुनि मंदिर में आयोजित होने वाले वार्षिक गंगासागर मेले के लिए सभी प्रावधान करने होते हैं।

सीएम बनर्जी ने गंगा नदी (हुगली) के तट पर मेले का उद्घाटन करने के बाद कहा, हम पिछले 10 वर्षों से गंगासागर मेले को राष्ट्रीय मेले का दर्जा दिलाने की कोशिश में जुटे हैं। उन्होंने कहा, यह कुंभ मेला से कम नहीं बल्कि उससे भी बड़ा है। सीएम बनर्जी ने कहा कि देश के सभी कोनों से आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए मेला स्थल पर विभिन्न भाषाओं में घोषणाए की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुंभ मेले तक सड़क, हवाई और रेल मार्ग से पहुंचना आसान है, लेकिन कोलकाता से करीब 130 किलोमीटर दूर स्थित सागर द्वीप तक जाना बहुत कठिन है, क्योंकि तीर्थयात्रियों को रास्ते में नदी को नौका द्वारा पार करना पड़ता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए जल्द आ सकती है बीजेपी की दूसरी सूची

नई दिल्ली।

आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार सुबह भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के आवास पर पार्टी की कोर कमेटी की बैठक हुई, इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। बैठक में दिल्ली चुनाव के शेष सीटों पर उम्मीदवारों पर चर्चा हुई। पार्टी जल्द ही करीब 30 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर सकती है। बताया जा रहा हैं कि कालकाजी से रमेश बिधूड़ी का टिकट बदला जा सकता है। उनके विवादित बयानों को देखकर पार्टी ने यह कदम उठाने का फैसला किया है। बीजेपी मीनाक्षी लेखी को भी उम्मीदवार बना सकती है। 4 जनवरी को जारी बीजेपी की पहली सूची में 29 उम्मीदवारों के नाम शामिल थे। इनमें से 7 नेता आप और कांग्रेस से भाजपा में आए थे। 13 उम्मीदवारों को फिर से मौका दिया गया, जबकि 16 उम्मीदवारों के टिकट बदले गए। गांधीनगर सीट से कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली को टिकट दिया गया, जिससे मौजूदा विधायक अनिल बाजपेई का टिकट कटा गया है। भाजपा नेतृत्व चुनाव में सटीक उम्मीदवार चयन और संगठन की मजबूती पर जोर दे रहा है। पार्टी, आप और कांग्रेस के खिलाफ कड़े मुकाबले की तैयारी कर रही है। सियासी समीकरण~ दिल्ली की सत्ताधारी पार्टी आप के साथ भाजपा और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। भाजपा जहां राष्ट्रीय नेतृत्व और आक्रामक चुनाव प्रचार पर भरोसा कर रही है, वहीं आप अपनी सरकार की उपलब्धियों को भुनाने की कोशिश करेगी।

पासपोर्ट मौलिक अधिकार,

माता-पिता के झगड़े से कोई लेना-देना नहीं

मुंबई ।

मुंबई हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने कहा पासपोर्ट का अधिकार संविधान के मौलिक अधिकार का महत्वपूर्ण पहलू है। इसको किसी भी हालत पर छीना नहीं जा सकता है। मुंबई हाईकोर्ट ने 17 वर्ष की लड़की और उसकी मां की याचिका पर यह फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने पुणे के क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी को दो सप्ताह के अंदर याचिकाकर्ता लड़की का पासपोर्ट जारी करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है, पति-पत्नी के बीच में विवाद चल रहा है। लड़की की उम्र 17 वर्ष है। पति लड़की का पासपोर्ट बनाने के लिए सहमत नहीं था। जिसके कारण मां बेटी ने मुंबई हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

विश्व हिंदी दिवसः बड़े गर्व की बात भारत और फिजी की हिन्दी आधिकारिक भाषा

नई दिल्ली ।

दुनिया भर में अपनी बोलचाल की भाषा में हिंदी का करोड़ों लोग उपयोग करते हैं। भारत में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली हिंदी दुनिया भर में बोली जाने वाले तीसरी सबसे लोकप्रिय भाषाओं है। अधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पूरी दुनिया में करीब 615 मिलियन लोग हिन्दी बोलते हैं। भारत और फिजी की हिन्दी आधिकारिक भाषा भी है। हिंदी भाषा की गरिमा का जश्न मनाने के लिए हर साल 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है।

हिंदी भाषा को विश्व स्तर पर प्रोत्साहित करना और हिंदी को वैश्विक भाषा के रूप में स्थापित करना ही विश्व हिंदी दिवस का मकसद है। हिंदी भाषा भारत की राष्ट्रभाषा होने के साथ-साथ सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में शुमार है। विश्व हिंदी दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को हिंदी भाषा के महत्व और इसके अंतरराष्ट्रीय प्रसार के प्रति जागरूक करना है। यह दिवस भारतीय साहित्य,संस्कृति और भाषा की समृद्ध धरोहर को संरक्षित करने और उस बढ़ावा देने का एक विशेष अवसर प्रदान करता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य हिंदी भाषा के महत्व को उजागर करना और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित करना है।

विश्व हिंदी दिवस मनाने का कारण

हिंदी दिवस मनाने की शुरुआत 1975 में नागपुर में पहले विश्व हिंदी सम्मेलन से हुई थी। जिसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था। तब से लेकर आज तक हर साल 10 जनवरी को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिनका उद्देश्य हिंदी के विकास और प्रसार को बढ़ावा देना है। दुनिया भर के भारतीय दूतावास और संस्कृति केंद्रों में इस अवसर पर हिंदी भाषा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इस साल की थीम

विश्व हिंदी दिवस के मौके पर हर साल एक विशेष थीम का निर्धारण किया जाता है और इसी थीम के विषय के अनुसार विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रमों का आयोजन होता है। इस वर्ष यानी विश्व हिंदी दिवस 2025 थीम का निर्धारण भी किया गया है। जिसकी थीम है हिंदी~ एकता और सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज।

5000 इमारतें नष्ट, 50 अरब डॉलर का नुकसान

और अधिक भड़की लॉस एंजेलिस की आग

लॉस एंजेलिस।

अमेरिका के लॉस एंजेलिस के जंगलों में लगी आग लगातार बढ़ती जा रही है। इस आग को कैलिफोर्निया के इतिहास की दूसरी सबसे विनाशकारी आग बताया जा रहा है। आग 2900 एकड़ के दायरे में फैली हुई है और लगातार इसका दायरा बढ़ता जा रहा है। आग से हॉलीवुड में हंगामा मचा है। कमला हैरिस से लेकर पेरिस हिल्टन, जेमी ली कर्टिस, टॉम हैंक्स और मैंडी मूर जैसे सेलिब्रिटीज के घरों पर खतरा मंडरा रहा है।

सबसे पहले पैसिफिक पैलिसेड्स के जंगल में लगी आग ने देखते ही देखते छह और जंगलों को अपनी जद में ले लिया था लेकिन अब खबर है कि दो और जंगलों तक ये आग फैल गई है। आग जंगलों तक ही सीमित नहीं है बल्कि बड़े पैमाने पर इससे रिहायशी इलाके तबाह हो गए हैं। अनुमान है कि आग से 50 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। मरने वालों की संख्या भी बढ़कर 7 हो गई है।

लॉस एंजेलिस फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, सबसे बड़ी आग पैलिसेड्स जंगल में लगी है। इस आग से 20,000 एकड़ का इलाका जलकर खाक हो गया है। इस जंगल के छह फीसदी हिस्से को बुझा दिया गया है। बाकी जंगलों की आग पर अभी तक काबू नहीं पाया जा सका है। फायर ब्रिगेड लगातार पानी की कमी से जूझ रहा है। आग बुझाने के लिए 60 और कंपनियों को मुस्तैद किया गया है। आग से लॉस एंजेलिस को 50 बिलियन डॉलर से ज्यादा का नुकसान होने का अनुमान है।आग की वजह से अब तक लगभग दो लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में आग से सुलगते घर, चीखते-चिल्लाते लोग, दहशत में भागते जानवरों को देखा जा सकता है। हर तरफ धुआं ही धुआं देखने को मिल रहा है।

अमेरिका के जंगलों में लगी आग ने पूरी दुनिया को सकते में डाल दिया है। रिकॉर्ड संख्या में फायर फाइटर्स और रेस्क्यू टीमें आग बुझाने में लगी है। हेलिकॉप्टरों और विमानों से आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है लेकिन ये आग बुझने के बजाए तेजी से फैल रही। इसकी वजह है कि तूफानी हवाओं की वजह से आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है। हवाओं के दिशा बदलने से भी आग लगातार अलग-अलग जगहों पर फैल रही है। रेस्क्यू और रिहैबिलिटेशन का काम जोरों शोरों पर चल रहा है। अब तक हजारों लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है। स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों और अन्य सुरक्षित जगहों को इमरजेंसी शेल्टर के रूप में तैयार किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के उत्थान की प्रेरणा है राष्ट्र मंदिर

(लेखक- हितानंद शर्मा)

(श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर विशेष)

यह मात्र एक मंदिर नहीं बल्कि भारत की संस्कृति और अस्मिता का प्रतीक है। एक स्वाभिमानी राष्ट्र अपने ऐसे ही प्रतीकों से ऊर्जा प्राप्त करता है। राम मंदिर भारत की चेतना का पर्याय है और इसका भी कि राम जन-जन की स्मृति में कितने गहरे रचे-बसे हैं। यह आधुनिक विश्वऔ के इतिहास में पहली बार है, जब किसी समाज ने अपने प्रेरणा पुरुष के जन्मस्थान एवं उनके उपासना स्थल को अतिक्रमण और अवैध कब्जे से न्यायपूर्वक छुड़ाने में सफलता प्राप्त की।

अद्भुत, अकल्पनीय और अविस्मरणीय वह अभिजीत मुहूर्त, जब प्राण-प्रतिष्ठा कर रामलला के नेत्रों से पट्टि का हटाई गई तब पूरे विश्व में सनातन संस्कृति के उपासकों के नेत्रों में श्रद्धा, आस्था, आनंद और प्रतीक्षा के आँसू थे। पौष शुक्ल द्वादशी, 22 जनवरी 2024 केवल अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के उत्सव का दिवस नहीं, बल्कि संपूर्ण हिंदू समाज की दृष्टि और विचारों के परिवर्तन की उपलब्धि का दिन है। पीढ़ियों की तपस्या, त्याग, बलिदान और प्रतीक्षा के बाद अयोध्या ने इस शुभ घड़ी का स्वागत किया था।

भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा से आनंदित, उत्साहित यह वही अयोध्या है जिसके परिचय में अथर्व वेद में उल्लेख आता है कि -

अष्ट चक्रा नव द्वारा देवाना पूः अयोध्या।
तस्या हिरण्यमयः कोश स्वर्गो ज्योतिषावृतः।।

अयोध्या, जिसका अर्थ ही है जो अजेय, अपराजित है। सहस्त्रों वर्षो तक अयोध्या अपने स्वर्णिम इतिहास के लिए जानी जाती रही। वही अयोध्या जहाँ हिन्दू समाज के आराध्य श्रीराम जी का जन्म सकल लोक के मंगल हेतु हुआ। इसीलिए गोस्वामी तुलसीदास जी अयोध्या का वर्णन कुछ इस प्रकार करते हैं-

विप्र धेनु सुर संत हित लीन्ह मनुज अवतार।
निज इच्छा निर्मित प्रभु माया गुन गो पार।।

हिन्दू समाज की आस्था के केंद्र, समरसता, नैतिकता व कर्तव्यपालन का बोध कराने वाले श्रीराममंदिर का कालांतर में विध्वंस कर मुगल आक्रांताओं द्वारा गुलामी के प्रतीक के रूप में बाबरी मस्जिद बना दी गई। इसके बाद 1528 से ही आरंभ हुए श्रीराममंदिर आंदोलन का 9 नवम्बर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय पर विराम हुआ। 5 अगस्त 2020 को भूमिपूजन के साथ करोड़ों लोगों ने अपनी भावनाओं ने विविध प्रकार से अभिव्यक्ति की।

यह एक ऐसा आंदोलन रहा जिसमें साधु-संतों ने युद्ध भी किया और वे आध्यात्मिक जागरण के केंद्र भी बने। बैरागी अभिराम दास (योद्धा साधु), राममंदिर आंदोलन के शलाका पुरुष महंत रामचन्द्र परमहंस, महंत अवैद्यनाथ व देवरहा बाबा ने संपूर्ण आंदोलन को एक दिशा प्रदान की। कोठारी बन्धुओं के बलिदान को हिन्दू समाज भला कैसे विस्मृत कर सकता है? विष्णु डालमिया, अशोक सिंहल वे तेजपुंज हैं, जिन्होंने सनातन ऊर्जा को संग्रहीत कर इस पवित्र कार्य से जोड़ा।

मंदिर आंदोलन के मूल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका से सभी भलीभांति परिचित ही हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने पूरे आंदोलन में जनजागरण करते हुए आस्था के उच्चतम प्रतिमानों को विश्वव्यापी स्वरूप दिया। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सहित विचार परिवार के सभी संगठनों ने अपनी पूर्ण सामर्थ्य के साथ तत्कालीन सरसंघचालक बालासाहब देवरस की मंशा के अनुरूप धैर्यपूर्वक योजनाबद्ध आंदोलन किए। भारतीय जनता पार्टी द्वारा लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में देशव्यापी रथयात्रा ने पूरे भारत में वातावरण का निर्माण किया तो असंख्य कारसेवकों के बलिदान ने राम राष्ट्र के इस यज्ञ में समिधा का कार्य किया।

मंदिर आंदोलन के इतिहास में अनेक बलिदानियों के रक्त व उनके परिजनों के त्याग का बिंदु समाहित है। राममंदिर के प्रति समाज की आस्था इतनी प्रबल रही है कि जब श्रमदान आवश्यक था तब श्रमदान किया। वहीं राष्ट्रमंदिर को भव्यता और दिव्यता देने के लिए निधि समर्पण अभियान में जाति, वर्ग, दल, समूह के सभी बंधनों को ध्वस्त करते हुए जिससे जो बन पड़ा उसने भगवान श्रीराम के चरणों में समर्पण किया।

भारतीय पंचांग के अनुसार पौष शुक्ल द्वादशी को आज ही के दिन जो पिछले वर्ष 22 जनवरी 2024 को थी, भगवान के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। संपूर्ण भारत की आस्था के केंद्र श्रीराम मन्दिर के माध्यम से आध्यात्मिक चेतना को बल मिला और देशवासियों में स्वाभिमान का जागरण हुआ। वहीं जो लोग मन्दिर निर्माण का विरोध कर रहे थे उनके सारे अवरोधों का प्रति उत्तर भी इस एक वर्ष में मिला। प्राण-प्रतिष्ठा से आज प्रथम वर्षगांठ तक असंख्य दर्शनार्थियों ने न केवल रामलला के दर्शन किए बल्कि अयोध्या सहित आस-पास के क्षेत्र के आर्थिक तंत्र को मजबूत करने में महत्व पूर्ण भूमिका निभाई है।

नागर शैली में निर्मित अलौकिक सुंदरता से परिपूर्ण श्रीराम मंदिर की लंबाई पूर्व से पश्चिम 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट व ऊंचाई 161 फीट है। भव्य तीन मंजिला मंदिर में 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। भूतल में प्रभु श्रीराम का मोहक बाल रूप तो प्रथम तल में श्रीराम दरबार का गर्भगृह है। नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना व कीर्तन मंडप है। उत्तरी भुजा में मां अन्नपूर्णा व दक्षिणी भुजा में हनुमान जी विराजित हैं। मंदिर के समीप ही पौराणिक काल का सीताकूप रहेगा। 732 मीटर लंबे व 14 मीटर चौड़े चहुंमुखी आयताकार परकोटे के चार कोनों पर भगवान सूर्य, मां भगवती, गणपति व भगवान शिव का मंदिर बनेगा। मंदिर परिसर में ही महर्षि वाल्मिकी, महर्षि वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य, निषादराज, माता शबरी व देवी अहिल्या के मंदिर प्रस्तावित हैं।

यह मात्र एक मंदिर नहीं बल्कि भारत की संस्कृति और अस्मिता का प्रतीक है। एक स्वाभिमानी राष्ट्र अपने ऐसे ही प्रतीकों से ऊर्जा प्राप्त करता है। राम मंदिर भारत की चेतना का पर्याय है और इसका भी कि राम जन-जन की स्मृति में कितने गहरे रचे-बसे हैं। यह आधुनिक विश्वऔ के इतिहास में पहली बार है, जब किसी समाज ने अपने प्रेरणा पुरुष के जन्मस्थान एवं उनके उपासना स्थल को अतिक्रमण और अवैध कब्जे से न्यायपूर्वक छुड़ाने में सफलता प्राप्त की।

प्राण-प्रतिष्ठा उत्सव में उमड़ा भावनाओं का ज्वार ऐसे अनेक प्रश्नों का उत्तर दे रहा था कि राम मंदिर का निर्माण क्यों आवश्यक था और हिंदू समाज उसके लिए इतनी व्यग्रता से क्यों प्रतीक्षा कर रहा था? अच्छा होता कि यह प्रतीक्षा स्वतंत्रता के बाद ही पूरी हो जाती, किंतु संकीर्ण राजनीतिक कारणों और कथित सेक्युलरिज्म की विजातीय-विकृत अवधारणा के चलते ऐसा नहीं हो सका। यह विडंबना ही रही कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की हिंदू समाज की सदियों पुरानी स्वाभाविक अभिलाषा की अनदेखी की गई।

जिस अयोध्या को अवनी की अमरावती और धरती का बैकुंठ कहा गया, वह सदियों तक अभिशप्त थी, उपेक्षित रही, सुनियोजित तिरस्कार झेलती रही। अपनी ही भूमि पर सनातन आस्था पद दलित होती रही, किंतु राम का जीवन हमें संयम की शिक्षा देता है और भारतीय समाज ने संयम बनाए रखा। समय के साथ समाज का संकल्प भी दृढ़ होता गया और आज समस्त सृष्टि अयोध्या के वैभव को निहार रही है। यह धर्म नगरी विश्व की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में प्रतिष्ठित हो रही है।

संकल्प और साधना की सिद्धि के लिए, हमारी प्रतीक्षा की इस समाप्ति के लिए और संकल्प की पूर्णता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का भी अभिनंदन है। एक दूरदृष्टि लेकर भारत के न भूतो न भविष्यलति के स्वर्णिम अवसर को साकार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। श्री राम जन्मभूमि मंदिर की स्थापना भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आध्यात्मिक अनुष्ठान है। यह राष्ट्र मंदिर है। अब भारत को भव्य बनाने के संकल्प को पूर्ण करने की बारी है और भगवान श्रीराम का मंदिर इसकी प्रबल प्रेरणा है। ऐसा होना निश्चित ही है क्योंकि इस प्राण प्रतिष्ठा से समस्त दिशाओं से शुभ संकेत मिलना आरंभ हो ही चुका है। गोस्वामी तुलसीदास जी की इन पंक्तियों के साथ-

मोरे जिय भरोस दृढ़ सोई, मिलहि राम सगुन सुभ होई.'' शुभमस्तु ।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं।)

संपादकीय

ऑनलाइन झूठ को बढ़ावा

संयुक्त राज्य अमेरिका में निरंकुश व दक्षिणपंथी रुझान के अगुवा डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से पहले की जा रही उग्र बयानबाजी से पूरी दुनिया में हलचल है। अब चाहे कनाडा को अमेरिका में मिलाने का उनका दावा हो या ग्रीनलैंड व पनामा नहर पर प्रभुत्व का बयान। लेकिन शेष दुनिया के लिये चिंता की बात यह है कि निष्पक्ष वैचारिक स्वतंत्रता के पक्षधर होने का दावा कर रहे अमेरिका संचालित बहुचर्चित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी ट्रंप के निरंकुश व्यवहार से गहरे तक प्रभावित हो रहे हैं। लंबे समय तक ट्रंप से वैचारिक टकराव मोल लेने वाले अमेरिका से संचालित मेटा ने ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले अपनी नीति में बड़ा बदलाव किया है। मेटा ने अपने उस तथ्य जांच कार्यक्रम से हाथ खींचने का फैसला किया है जो ऑनलाइन गलत सूचनाओं और दुष्प्रचार को नियंत्रित करने का एक महत्वपूर्ण साधन था। निश्चित रूप से सूचना की विश्वसनीयता के लिये निर्धारित व्यवस्था के खत्म होने से ऑनलाइन झूठ व दुष्प्रचार के खिलाफ वैश्विक अभियान को झटका लगेगा। निश्चित तौर पर यह नाटकीय बदलाव वर्ष 2016 में सोशल मीडिया दिग्गज द्वारा शुरू किए स्वतंत्र थर्ड पार्टी तथ्य जांच कार्यक्रम के अंत का प्रतीक है। यह महज संयोग नहीं हो सकता है कि यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले आया है। ट्रंप मेटा के मुखर आलोचक रहे हैं। ट्रंप आरोप लगाते रहे हैं कि सोशल मीडिया पर दक्षिणपंथी आवाज को सेंसर किया जाता रहा है। वहीं मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग का कहना है कि उनके इस निर्णय की मुख्य प्रेरणा मुक्त अभिव्यक्ति को प्रश्रय देना है। उनकी इस दलील से कतई सहमत नहीं हुआ जा सकता। दरअसल, अमेरिका में दक्षिणपंथी रुझानों वाला ऐसा वर्ग भी है जो सोशल मीडिया पर सूचना सामग्री में किसी भी हस्तक्षेप का विरोध करता है। जिसके चलते फर्जी खबरों के कारण विवादों की श्रृंखला को जन्म मिल सकता है। बहरहाल, आशंका जतायी जा रही है कि तथ्यों की जांच की व्यवस्था समाप्त करने से झूठ और अफवाहों का तंत्र कालांतर कानून व्यवस्था के लिये भी बड़ी चुनौती बन सकता है। जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की सूचनाओं की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठेंगे। मेटा के इस कदम के बाद अन्य सोशल मीडिया प्लेट फॉर्म भी दबाव में ऐसे कदम उठा सकते हैं। वैसे राष्ट्रपति का पद संभालने जा रहे ट्रंप से खराब रिश्ते सुधारने हेतु मार्क जुकरबर्ग का कदम व्यावसायिक दृष्टि से तो समझ में आ सकता है, लेकिन सोशल मीडिया पर सूचनाओं की दृष्टि से यह एक गैरजिम्मेदार कदम है। जो दुनिया में विश्वसनीयता व सूचना अखंडता के लिये अच्छा संकेत नहीं है। विडंबना ही है कि सूचना सामग्री को मॉडरेट करने के लिये पेशेवर तथ्य-जांचकर्ताओं पर भरोसा करने के बजाय मेटा एक्स के रास्ते पर जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण ही है। पहले जांच-पड़ताल करके दी जाने वाली पोस्ट पाठकों व दर्शकों का भरोसा जगाती थी कि सूचना सामग्री विश्वसनीय है। लेकिन अब इस नियमन में ढील के निहितार्थों को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। आशंका है कि अब फेसबुक, इंस्टाग्राम व थ्रेड्स पर गलत सूचनाओं को नियंत्रित करना संभव नहीं हो पाएगा। जिससे ऑनलाइन झूठ को बढ़ावा मिल सकता है। खासकर भारत के संदर्भ में देखें तो नफरत फैलाने वाले भाषण न केवल लोगों तक विश्वसनीय जानकारी की पहुंच को कमजोर कर सकते हैं बल्कि लोगों की राजनीतिक नेताओं का सामना करने की क्षमता को भी कमजोर कर सकते हैं।

इंसानों की तस्करी की त्रासदी वाला समाज कब तक ?

(लेखक- ललित गर्ग)

राष्ट्रीय मानव तस्करी जागरूकता दिवस हर साल 11 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिन मानव तस्करी और आधुनिक दासता के खिलाफ़ जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। यह दिवस एक ऐसे वैश्विक अपराध, त्रासदी एवं अभिशाप की ओर ध्यान आकर्षित करता है जो दुनियाभर में मानव जीवन, परिवारों और समुदायों को डरावनी, खौफनाक एवं त्रासद अंधेरी दुनिया में धकेलता है। मानव तस्करी लाखों लोगों की आज़ादी और सम्मान को छीनता है, समाज को अनगिनत नुकसान पहुँचाता है, कानून और सुशासन को कमज़ोर करता है और अपराध को बढ़ावा देता है। मानव तस्करी में बल, धोखाधड़ी या जबरदस्ती के इस्तेमाल के ज़रिए शोषण एवं उत्पीड़न शामिल है। मानव तस्करी कई रूपों में हो सकती है जिसमें यौन तस्करी, बाल यौन तस्करी, जबरन मज़दूरी, ऋण बंधन, जबरन बाल मज़दूरी, घरेलू दासता और बाल सैनिकों की अवैध भर्ती और उपयोग शामिल है। यह पुरुषों, महिलाओं, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और बच्चों को सीमाओं के पार और देश के अंदर दोनों जगह प्रभावित करता है। मानव तस्करी के खिलाफ़ कानून और नीतियां बनाने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रयास किए जाने अपेक्षित है।

वैश्विक स्तर पर, मानव तस्करी के शिकार पाँच व्यक्तियों में से एक बच्चा हैं हालांकि अफ्रीका और ग्रेटर मेकांग जैसे गरीब क्षेत्रों और उप-क्षेत्रों में, तस्करी के शिकार लोगों में से अधिकांश बच्चे ही हैं। इस बीच, दुनिया भर में मानव तस्करी के शिकार लोगों में से दो तिहाई महिलाएँ हैं। मानव तस्करी एक वैश्विक समस्या है और दुनिया के सबसे शर्मनाक अपराधों में से एक है, जो दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन के लिये अभिशाप है और सरकारों पर एक बदनुमा दाग एवं कलंक है। मानव तस्कर दुनिया के सभी कोनों से महिलाओं, पुरुषों और बच्चों को धोखा देते हैं और उन्हें हर दिन शोषणकारी अंधेरी परिस्थितियों एवं दुनिया में धकेलते हैं। जबकि मानव तस्करी का सबसे वीभत्स रूप यौन शोषण है, हज़ारों पीड़ितों को जबरन श्रम, घरेलू दासता, बाल मजदूरी एवं भीख मांगने के लिये मजबूर किया जाता है और ऐसे पीड़ितों के अंगों को निकालने के उद्देश्य से भी तस्करी की जाती है। अंतरराष्ट्रीय एनजीओ शोध के अनुसार, पापुआ न्यू गिनी के लगभग 30 प्रतिशत यौन तस्करी के शिकार 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे हैं, जिनमें से कुछ की उम्र 10 वर्ष से भी कम है। कथित तौर पर कतिपय परिवार या जनजाति के सदस्य यौन तस्करी या जबरन मजदूरी करवाते हैं। कुछ माता-पिता बच्चों को सड़क पर भीख मांगने या सामान बेचने के लिए मजबूर करते हैं, और कुछ अपनी बेटियों को कर्ज चुकाने, समुदायों के बीच विवादों को सुलझाने या अपने परिवारों का समर्थन करने के लिए विवाह या बाल यौन तस्करी के लिए बेच देते हैं या मजबूर करते हैं।

दुनियाभर में हर साल करीब 6 लाख से 8 लाख लोगों की तस्करी होती है। दुनियाभर में पाए गए सभी मानव तस्करी के पीड़ितों में से 51 प्रतिशत वयस्क महिलाओं की संख्या है। भारत में वर्ष 2019 में, सरकार ने 5145 मानव तस्करी के पीड़ितों और 2505 मानव तस्करी के संभावित पीड़ितों की पहचान किए जाने की जानकारी दी, जोकि वर्ष 2018 में पहचान किए गए 3946 मानव तस्करी पीड़ितों और 1625 मानव तस्करी के संभावित पीड़ितों की तुलना में वृद्धि थी। इसके आगे भी मानव तस्करी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में वर्ष 2010 में राष्ट्रपति की घोषणा के अनुसार, प्रत्येक जनवरी को राष्ट्रीय गुलामी और मानव तस्करी रोकथाम माह के रूप में नामित किया गया है। मानव तस्करी की बढ़ती शर्मनाक घटनाओं ने संवेदनहीन होते समाज की त्रासदी को उजागर किया है। इन घटनाओं को अभिभावकों एवं समाज की संवेदनहीनता और क्रूरता के रूप में देखा जा सकता है, वहीं आजादी के अमृत काल में भी मानव-तस्करी की घिनौनी मानसिकता के पांव पसारने की विकृति को सरकार की नाकामी माना सकता है। सरकार को बच्चों से जुड़े कानूनों पर पुनर्विचार करना चाहिए एवं बच्चों के प्रति घटने वाली ऐसी संवेदनहीनता की घटनाओं पर रोक लगाने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

इस देश में मानव तस्करी के जघन्य अपराध के रूप में बच्चों के साथ जो हो रहा है उसकी कल्पना भी किसी ने नहीं की होगी। उन्हें खरीदने-बेचने और उनसे भीख मंगवाने का धंधा, उनके शरीर को अपंग बनाने का काम, खतरनाक आतिशबाजी निर्माण में बच्चों का उपयोग, उनके साथ अमानवीय व्यवहार, तंत्र-मंत्र के चक्कर में बलि चढ़ते मासूम बच्चे और उनका यौन शोषण। देश के भविष्य के साथ यह सब हो रहा है। लेकिन जब सरकार को ही किसी वर्ग की फिक्र नहीं तो इन मासूमों की पीड़ा को कौन सुनेगा? इस बदहाली में जीने वाले बच्चों की संख्या जहां देश में लाखों में है, वहीं जन्मते ही बच्चों को बेच देने की घटनाएं भी रह-रह कर नये बन रहे समाज पर कालिख पौतते हुए अनेक सवाल खड़े करती है। लाखों बच्चे कुपोषण का शिकार मिलेंगे, लाखों बेघर, दर-दर की ठोकर खाते हुए आधुनिकता की चकाचौंध से कोसों दूर, निरक्षर और शोषित। बच्चों को बेच देने एवं तस्करी की घटनाएं कई बार ऐसी परतों में गुंथी होती हैं जिनमें समाज, परंपरागत धारणाएं, गरीबी और विवशता से लेकर आपराधिक संजाल तक के अलग-अलग पहलू शामिल होते हैं।

समाज में आज भी लड़के एवं लड़की को लेकर संकीर्ण एवं अमानवीय सोच व्याप्त है, झारखण्ड में एक दंपति को पहले से तीन बेटियां थी। सामाजिक स्तर पर मौजूद रूढ़ियों से संचालित धारणा के मुताबिक उस दंपति को एक बेटे की जरूरत थी। यानी तीन बेटियां उसकी नजर में महत्वहीन थी कि उससे बेटे की भरपाई हो सके। इसलिए उसने ऐसी सौदेबाजी कराने वाले मानव तस्कारों एवं दलालों के जरिए किसी अन्य महिला से उसका नवजात बेटा खरीद लिया। यानी मन में बेटा नहीं होने के अभाव से उपजे हीनताबोध और कुंठा की भरपाई के लिए कोई व्यक्ति पैसे के दम पर गलत रास्ता अपनाने से भी नहीं हिचकता। इसके अलावा, मानव तस्करी करने वाले गिरोह दूरदराज के इलाकों में और खासतौर पर गरीबी की पीड़ा झेल रहे लोगों के बीच अपने दलालों के जरिए बालक एवं बालिका खरीदने के अपराध में लगे रहते हैं।

(चिंतन-मनन)

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है।

एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो।

बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है?

यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

विचार मंथन

कब लागू होगा डेटा सुरक्षा कानून?

(लेखक- सनत जैन)

डिजिटल युग में, डेटा किसी भी देश का सबसे महत्वपूर्ण संसाधन ओर खजाना बन गया है। जिस प्रकार प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है, उसी प्रकार व्यक्तिगत जानकारी, प्राकृतिक जानकारी तथा विभिन्न किस्म का नॉलेज और संवेदनशील डेटा की सुरक्षा और प्राथमिकता तय करना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। डेटा सुरक्षा कानून लंबे समय से चर्चाओं में है। इसका उद्देश्य व्यक्तिगत डेटा की गोपनीयता बनाए रखना और जानकारियों का दुरुपयोग रोकना महत्वपूर्ण है। डेटा सुरक्षा कानून कब भारत में लागू होगा, यह सवाल आज भी एक बड़ी चिंता के साथ मौजूद है।

सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, और अन्य डिजिटल प्लेट फ़ॉर्म्स पर करोड़ों की संख्या में उपयोगकर्ता प्रतिदिन लाखों-करोड़ों डेटा को आपस में साझा करते हैं। इस डेटा का प्रयोग न केवल व्यापारिक कार्य के लिए किया जाता है बल्कि इस डेटा को अनुचित तरीकों से साझा करने और बेचने की हजारों-लाखों घटनाएं सामने आ चुकी हैं। यह उपयोगकर्ताओं के निजी एवं व्यापारिक हितों पर गंभीर प्रभाव डालकर, आर्थिक एवं निजी संबंधों के लिए नुकसानदायक साबित हो रहा है। उदाहरण स्वरूप, व्यक्तिगत डेटा की चोरी के कारण साइबर अपराध, धोखाधड़ी, पहचान की चोरी जैसे मामलों में लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कई मामलों में निजी प्रतिष्ठा में नुकसान उठाना पड़ा है। इस तरह की घटनाओं में लगातार वृद्धि होती जा रही है। डेटा सुरक्षा कानून को लागू करने में देरी के कई कारण सामने आ रहे हैं। सबसे बड़ा कारण डेटा सुरक्षा से जुड़े कानून को संतुलित और प्रभावी रूप से तैयार करना सरकार और विधि विशेषज्ञों के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसको लेकर केंद्र एवं राज्यों के बीच में भी सहमति नहीं बन पा रही है। भारत सरकार ने वैश्विक स्तर पर डेटा सुरक्षा के जो कानून हैं, उनका भी अध्ययन अभी तक गंभीरता के साथ नहीं कराया गया है। सरकार को सुनिश्चित करना होगा, कानून के माध्यम से भारतीय नागरिकों एवं उपयोगकर्ताओं के अधिकारों की रक्षा हो, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नागरिकों की निजता बनी रहे। व्यापारिक गतिविधियों में कोई बाधा अथवा आर्थिक नुकसान ना हो। डेटा सुरक्षा कानून में प्रशासनिक प्रक्रियाओं में अधिकारिता, पारदर्शिता और स्पष्टता सुनिश्चित की जाए। भारत सरकार ने डेटा सुरक्षा कानून के प्रारूप को तैयार करने और संसद में प्रस्तुत करने के लिए पूर्व में कई प्रयास किये हैं।

हाल के वर्षों में, डेटा संरक्षण बिल को लेकर कई सुझाव सरकार को विभिन्न माध्यमों से भेजे गए हैं। डेटा सुरक्षा कानून लागू करने के लिए वर्तमान सरकार की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। संबंधित हितधारकों के बीच तालमेल ना होना सबसे बड़ी बाधा है। डेटा सुरक्षा कानून जल्द से जल्द लागू करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। जैसे-जैसे डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से सामाजिक एवं अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है, डिजिटल लेन-देन से आम आदमी का जोखिम बढ़ रहा है। डेटा सुरक्षा कानून में देरी होने से आम जनता को भारी नुकसान हो रहा है। इसका प्रभाव आम लोगों की गोपनीयता आर्थिक लेन-देन, अपराधिक घटनाओं और डेटा की सुरक्षा पर पड़ रहा है। जिसके कारण नागरिकों को आर्थिक एवं निजता के मामले में बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए, कि डेटा सुरक्षा कानून जल्द से जल्द लागू हो। नागरिकों की सुरक्षा और उनके हित सुनिश्चित हों। डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में जिम्मेदार और सुरक्षित राष्ट्र के रूप में भारत की पहचान दुनिया में हो। डेटा सुरक्षा कानून का लागू होना, केवल एक कानूनी प्रक्रिया नहीं है, यह प्रत्येक नागरिक के मौलिक अधिकारों से जुड़ा हुआ प्रश्न भी है। सरकार जिस तरह से डिजिटल प्लेटफॉर्म को आम नागरिकों के ऊपर कानूनन अनिवार्य करती चली जा रही है, उसके बाद सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों के मौलिक अधिकारों के साथ-साथ उनकी निजता, सामाजिक और आर्थिक आधार को सुरक्षा प्रदान करे। भारत सरकार ने कानून बनाकर डिजिटल लेनदेन, ऑनलाइन सेवाओं तथा सोशल मीडिया को जिस तरह से बढ़ावा दिया है, उससे उसकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल लेनदेन के माध्यम से अरबों रुपए के घोटाले और ठगी हुई है। पुलिस में शिकायत करने के बाद भी आम आदमी को ठगी और घोटालों का शिकार होना पड़ रहा है। सरकार की अनिवार्यता से आम जनता को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। जबकि नागरिकों की कोई गलती नहीं थी। सरकार जिम्मेदारी लेने से बचती रही है। बैंक और वित्तीय संस्थान भी अपनी जिम्मेदारी आम नागरिकों पर डाल देते हैं। भारत में कॉपीराइट के अधिकार गूगल, यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया वाली की कंपनियों ने अवैध तरीके से हासिल कर लिए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सीग्रम्स रॉयल स्टैग पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर ने ग्लोबल सेंसेशन नेटफ्लिक्स के स्क्विड गेम सीजन 2 के साथ की साझेदारी

देवास । सीग्रम्स रॉयल स्टैग ने नेटफ्लिक्स पर रिकॉर्ड-तोड़ सफलता हासिल करने वाली सीरीज़ स्क्विड गेम के दूसरे सीज़न के साथ साझेदारी की घोषणा की है। स्क्विड गेम के साथ यह साझेदारी रॉयल स्टैग की लिव इट लार्ज फिलॉसफी के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। यह दर्शकों को दुनिया के एक सबसे लोकप्रिय सांस्कृतिक उत्सव का हिस्सा बनने का एक बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है जो अब तक लाखों दिलों को जीत चुका है। आज के युवाओं के बीच के-ड्रामा बहुत ही लोकप्रिय है। ऐसे में यह सहयोग ब्रांड को युवाओं के जुनून का हिस्सा बनने, उनसे जुड़ने और उनकी आकांक्षाओं में शामिल होने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। इस सहयोग के बारे में बात करते हुए, पेरनोड रिकार्ड इंडिया के मार्केटिंग जनरल मैनेजर जॉयदीप बसुरॉय ने कहा, नेटफ्लिक्स के स्क्विड गेम के साथ रॉयल स्टैग का यह सहयोग ब्रांड को के-कल्चर के प्रति युवाओं की दीवानगी का लाभ उठाने में मदद करेगा। इस साझेदारी के साथ न सिर्फ ब्रांड युवाओं के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ेगा, बल्कि इससे ब्रांड की युवा छवि को भी उभारने में मदद मिलेगी। रॉयल स्टैग ब्रांड हमेशा उन लोगों के साथ खड़ा रहा है जो बड़े सपने देखते हैं और पूरे जुनून और उद्देश्य के साथ अपनी जिंदगी जीते हैं। ठीक वैसे ही जैसे कि इस शो में दिखाया गया है। स्क्विड गेम सीजन 2 के साथ यह साझेदारी हमें अपने दर्शकों और आज की पीढ़ी को एक जीवंत अनुभव और ठोस सामाजिक मूल्य प्रदान करने में मदद करता है।

अमेज़न एमएक्स प्लेयर ने नए क्राइम ड्रामा चिड़िया उड़ का ट्रेलर रिलीज़ किया

मुंबई, एजेंसी। अमेज़न के मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म - अमेज़न एमएक्स प्लेयर की आने वाली क्राइम ड्रामा सीरीज़ चिड़िया उड़ के लिए उलटी गिनती शुरू हो गई है। स्ट्रीमिंग सेवा ने आज इस शो का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया है, जो दर्शकों को इसकी प्रबल दुनिया की एक झलक देता है। आबिद सुरती के समीक्षकों द्वारा प्रशंसित उपन्यास केज पर आधारित, चिड़िया उड़ मुंबई के अंडरवर्ल्ड के दिल में गहराई से उतरती है, जो शक्ति, अपराध और अस्तित्व की कहानी को एक साथ लाती है। चिड़िया उड़ का निर्माण हरमन बावेजा, विकी बाहरी ने किया है और इसे रवि जाधव द्वारा निर्देशित किया गया है। इस सीरीज़ में जैकी श्रॉफ, भूमिका मीना, सिकंदर खेर, मधुर मित्तल, मयूर मोरे, और मीता वशिष्ठ मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे। यह कहानी एक युवा महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपराधियों और बदलते गठजोड़ों के बीच फंस जाती है। राजस्थान की एक युवती सेहर को मुंबई की कठोर दुनिया का सामना करना पड़ता है। चिड़िया उड उसकी उन जंजीरों से आज़ाद होने की लड़ाई को दर्शाती है, जो उसे बांधे हुए हैं, और साथ ही जीवन की कठोर सच्चाइयों को भी उजागर करती है। अमेज़न एमएक्स प्लेयर के निदेशक और प्रमुख करण बेदी ने कहा, अमेज़न एमएक्स प्लेयर में हमारा उद्देश्य अपने दर्शकों को प्रीमियम और उच्च गुणवत्ता वाला मनोरंजन प्रदान करना है। चिड़िया उड़ अपने शानदार कलाकारों की टोली के साथ, मुंबई के कुख्यात अंडरवर्ल्ड में एक महिला के सत्ता तक पहुंचने की मनोरंजक कहानी पेश करती है।

एमराल्ड फाइनेंस का समेकित क्यू3 एफवाय25 शुद्ध लाभ 109 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ पहुंचा ऊंचाई पर

मुंबई, एजेंसी। एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड जो भारत में अपनी प्रमुख अर्न्ड वेज एक्सेस सहित विभिन्न वित्तीय उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने वाली एक गतिशील कंपनी है, ने क्यू3 एफवाय25 और 9एम एफवाय25 के अपने अनेक्षित वित्तीय परिणामों की घोषणा की। वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए श्री संजय अग्रवाल, प्रबंध निदेशक, एमेरेल्ड फाइनेंस लिमिटेड ने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एफवाय25 की नौ महीनों में एफवाय24 की समान अवधि की तुलना में हमारी शुद्ध लाभ में 108 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो हमारे मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और संचालनात्मक क्षमता को दर्शाता है।

सोने के आयात के आंकड़ों में करेक्शन

5 अरब डॉलर कम हुआ व्यापार घाटा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार द्वारा सोने के आयात के आंकड़ों में तेज सुधार के बाद, नवंबर के लिए भारत के रिकॉर्ड व्यापार घाटे को 37.8 अरब डॉलर से घटाकर 32.8 अरब डॉलर कर दिया गया है। बता दें व्यापार घाटा वह राशि है, जिसके द्वारा आयात का मूल्य निर्यात से अधिक हो जाता है। वाणिज्य मंत्रालय की एक शाखा वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय ने बुधवार को कहा कि महीने के लिए सोने के आयात को 9.8 अरब डॉलर में समायोजित किया गया था, जो 14.8 अरब डॉलर के पहले के अनुमान से काफी कम है।

कहां हुई थी गलती

जुलाई में रिपोर्टिंग सिस्टम में बदलाव के बाद गोदामों में सोने के शिपमेंट की कथित तौर पर डबल काउंटिंग के कारण गणना में गलती के लिए जिम्मेदार 5 अरब डॉलर का करेक्शन हुआ। इस विसंगति का पता डीजीसीआईएस और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के आंकड़ों के मिलान की प्रक्रिया के दौरान चला था। हालांकि, कॉमर्स डिपॉर्टमेंट ने अभी तक संशोधन पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

शुरू में रिकॉर्ड घाटे की सूचना

नवंबर के व्यापार के आंकड़ों ने शुरू में रिकॉर्ड घाटे की सूचना दी, जो सोने के आयात में असामान्य 331 प्रतिशत साल दर साल ग्रोथ से प्रेरित थी। सोना, जो महीने के लिए कुल ट्रेड इंपोरट का 21 प्रतिशत था, पहले 14.8 अरब डॉलर का अनुमान लगाया गया था। यह देश के व्यापार संतुलन के बारे में चिंताओं को बढ़ाता है। भारत अपने सोने का अधिकांश आयात स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और पेरू से करता है। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, नवंबर के लिए भारत का सोने का आयात अब 9.8 अरब डॉलर है, जिससे चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों के दौरान आयातित सोने का कुल मूल्य 44 अरब डॉलर हो गया है। संशोधन से पहले व्यापार घाटा नवंबर 2023 में 21.3 बिलियन डॉलर की तुलना में रिकॉर्ड 37.8 बिलियन पर पहुंच गया। 16 दिसंबर 2023 को वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए डेटा ने नवंबर में निर्यात में 4.9 प्रतिशत साल दर साल गिरावट के साथ व्यापारिक आयात में 27 प्रतिशत साल दर साल वृद्धि दिखाई। इस बीच, सर्विस एक्सपोर्ट ने जोरदार प्रदर्शन किया, नवंबर सरप्लस रिकॉर्ड .18 बिलियन को छू गया।

64.95 अरब डॉलर का सोना भारत ने किया आयात

नवंबर के लिए सोने के आयात आंकड़ों में 5 अरब डॉलर की संशोधन के साथ आयात 69.95 अरब डॉलर से घटकर 64.95 अरब डॉलर रह गया है।

एक साल पहले यह आंकड़ा 55.06 अरब डॉलर था। नवंबर 2023 में 33.75 अरब डॉलर की तुलना में नवंबर में कुल निर्यात घटकर 32.11 अरब डॉलर हो गया। इस वित्त वर्ष (अप्रैल-नवंबर 2024) में अब तक, अप्रैल-नवंबर 2023 में 498.33 बिलियन डॉलर की तुलना में कुल निर्यात 536.25 बिलियन डॉलर रहा, जो 7.61 प्रतिशत की वृद्धि है।

किन चीजों का सबसे अधिक हुआ निर्यात

इस अवधि में इलेक्ट्रॉनिक सामान के ट्रेड एक्सपोर्ट में साल दर साल आधर पर 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इंजीनियरिंग सामान (26.87 प्रतिशत), चावल (13.35 प्रतिशत), ड्रग्स और फार्मास्यूटिकल्स (6.76 प्रतिशत), और रेडी-मेड कपड़े (15.21 प्रतिशत) में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने एक्सिस बैंक में बढ़ाई शेयर होल्डिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने एक्सिस बैंक में अपनी हिस्सेदारी 5 आधार अंकों से बढ़ाकर 4.97 से 5.02 फीसद कर ली है, यह कदम बैंक की विकास संभावनाओं में फंड हाउस के विश्वास को दर्शाता है। फंड हाउस ने को एक बयान में कहा, 6 जनवरी, 2025 को कारोबार बंद होने पर एक्सिस बैंक में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड की कुल होल्डिंग कंपनी की चुकता शेयर पूंजी का 5.02 प्रतिशत थी। इस अपडेट के बावजूद सुबह पौने 11 बजे के आसपास एक्सिस बैंक के शेयर करीब एक प्रतिशत नीचे 1064 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक के शेयर भी 1.48 पर्सेंट नीचे 1648.85 रुपये पर थे। अधिग्रहण से पहले एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के पास 15,38,45,705 शेयर थे, जो एक्सिस बैंक में 4.97 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। अधिग्रहण के बाद एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के पास 15,53,35,021 शेयर या 5.02 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बीएसई पर शेयरहोल्डिंग पैटर्न डेटा के अनुसार एचडीएफसी ने अपनी विभिन्न म्यूचुअल फंड योजनाओं के जरिए से चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही के अंत तक एक्सिस बैंक में 13,06,05,045 शेयर या 4.42 प्रतिशत हिस्सेदारी रखी। यानी एचडीएफसी ने दिसंबर तिमाही में एक्सिस बैंक में अपनी हिस्सेदारी काफी बढ़ा ली। दिसंबर तिमाही के शेयरधारिता पैटर्न के आंकड़ों का खुलासा होना अभी बाकी है।

बजट में नई व्यवस्था में टैक्स छूट सीमा को बढ़ाकर पांच लाख रुपये करे सरकार, ईवाई का सुझाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार 2025-26 के बजट में नई कर व्यवस्था में टैक्स छूट सीमा को तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने पर विचार कर सकती है। करदाताओं को राहत देने के लिए कर दरों को भी कम किया जा सकता है। अर्नस्ट एंड यंग (ईवाई) इंडिया ने बजट पूर्व सुझाव रिपोर्ट में कहा, सरकार को आगामी बजट में आयकरदाताओं को टैक्स के मोर्चे पर राहत देने पर ध्यान देना चाहिए। 2023-24 तक 31 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 9.6 फीसदी) के आयकर विवाद को भी सुलझाने की कोशिश होनी चाहिए। ईवाई इंडिया ने बुधवार को अपने सुझाव में कहा, अनुपालन बोझ कम करने के लिए निकासी चरण तक पीएफ ब्याज दर (2.5 लाख से ऊपर) पर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) को स्थगित करना चाहिए। पिछले बजट में टीडीएस दर को कुछ हद तक तर्कसंगत बनाया गया था। टीडीएस दर संरचना को कम दरों के साथ तीन-चार श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रत्यक्ष कर संहिता की पूर्ण समीक्षा में समय लग सकता है।

- **कर प्रणाली सरल बनाने व मुकदमे घटाने की जरूरत**- ईवाई ने कहा, अर्थव्यवस्था में मांग एवं खपत बढ़ाने के लिए कर प्रणाली को सरल बनाने और करदाता सेवाओं में सुधार बहुत जरूरी है। मुकदमेबाजी को कम करने और कर अनुपालन को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुधारों की जरूरत है। लंबित कर विवादों को कम करने और आगे के विवादों से बचने के लिए प्राथमिकता के आधार पर उपाय करने चाहिए। इसके लिए वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को मजबूत करने की तत्काल जरूरत है। सुरक्षित बंदरगाह जैसे अन्य विवाद निवारण विकल्पों को और अधिक आकर्षक बनाया जाना चाहिए।
- **मकान किराया भत्ता में मिले 50 फीसदी छूट**-रिपोर्ट में सुझाया गया है कि हैदराबाद, पुणे, बंगलूरू और अहमदाबाद जैसे शहरों में मकान किराया भत्ता (एचआरए) में 50 फीसदी की छूट दी जानी चाहिए। इससे कर में समानता मिलेगी।

बुरे दौर से गुजर रहा सुजलॉन एनर्जी शेयर, नए साल में हर दिन करा रहा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में पिछले कुछ सेशन से गिरावट आ रही है। पिछले एक सप्ताह में ही 8 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

इस साल अब तक के 7 कारोबार सेशंस में यह शेयर

करीबन 9 प्रतिशत तक गिर गया। बुधवार को भी सुजलॉन एनर्जी के शेयर थोड़ा नीचे खुले और बीएसई पर लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गए थे। आज गुरुवार को रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी के इस शेयर में 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है और यह शेयर 58.60 रुपये पर आ गया। बता दें कि पांच साल में यह शेयर 2300 प्रतिशत तक चढ़ गया है। इस दौरान इसकी कीमत 2 रुपये से वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई।

अडानी और बिड़ला ग्रुप के वर्चस्व के बीच आ रहा नया खिलाड़ी

4000 करोड़ का ला रहा आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाली इंफ्रास्ट्रक्चर-टू-मेटल जेएसडब्ल्यू समूह का हिस्सा जेएसडब्ल्यू सीमेंट को 4,000 करोड़ रुपये के आईपीओ प्रस्ताव के लिए सेबी से मंजूरी मिल गई है। मनीकंट्रोल ने सूत्रों के हवाले से इस अपडेट की जानाकरी दी है। फर्म ने 17 अगस्त को अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया था। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने शेयर मार्केट में एंट्री करने का कदम ऐसे समय उठाया है, जब सीमेंट सेक्टर में बिड़ला ग्रुप की अग्रणी अल्ट्राटेक सीमेंट और अडानी ग्रुप की एसीसी-अंबुजा गठबंधन के बीच एमएंडए की खींचतान चल रही है मनीकंट्रोल के दो में से एक सूत्र ने बताया, बाजार नियामक से आईपीओ प्रस्ताव के लिए हरी झंडी मिल गई है और निवेशकों के रोड शो और अन्य कारकों के आधार पर, लॉन्च के समय पर बाद में फैसला लिया जाएगा। इसकी पुष्टि दो अन्य व्यक्तियों ने भी पुष्टि की है। यह डील 2,000 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों के नए इश्यू और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 2,000 करोड़ रुपये के ऑफर-फॉर-सेल का संयोजन है। अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट, सिनर्जी मेटल्स इन्वेस्टमेंट होल्डिंग और एसबीआइ जैसे निवेशक ऑफर-फॉर-सेल में भाग लेंगे।

शुरुआती शेयर बिक्री अगस्त 2021 में नुवोको विस्टास के 5,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के बाद सीमेंट सेक्टर की पहला बड़ा ऑफर होगा। संयोग से,

अक्टूबर 2023 में जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर की लिस्टिंग ने 13 साल में ग्रुप के पहले आईपीओ को मार्क किया है।

शिवा सीमेंट को 2017 में जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने अधिग्रहित किया था और यह सीमेंट प्रोडक्शन में एक प्रमुख कंपोनेंट क्लिंकर की सप्लाई मेन यूनिट को करती है। जेएम फाइनेंशियल, कोटक महिंद्रा कैपिटल, जेफरीज, एक्सिस कैपिटल, डीएएम कैपिटल, सिटी, गोल्डमैन सैक्स और एसबीआई कैपिटल निवेश बैंक हैं जो शेयर बिक्री का प्रबंधन कर रहे हैं। खेतान एंड कंपनी फर्म की कानूनी सलाहकार है।

क्या है जेएसडब्ल्यू सीमेंट का इरादा

जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने 2009 में भारत के दक्षिणी क्षेत्र में काम शुरू किया था और भारत में सात प्लांट का संचालन करता है। इनसे अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी स्थापित ग्राइंडिंग क्षमता को 20.60 एमएमटीपीए से बढ़ाकर 40.85 एमएमटीपीए तथा स्थापित क्लिंकर क्षमता को 6.44 एमएमटीपीए से बढ़ाकर 13.04 एमएमटीपीए करेगी। इसके अलावा, इसका इरादा कुल क्षमता को बढ़ाकर 60.00 एमएमटीपीए करने का है।

अमेजन ने कस्टमाईज़ेबल डिस्प्ले, जीवंत ध्वनि और स्मार्ट होम क्षमताओं के साथ —एलेक्सा-इनेबल्ड स्मार्ट अलार्म क्लॉक, इको स्पॉट का पेश किया

मुंबई, एजेंसी। अमेजन ने भारत में नई, इको स्पॉट लॉन्च किया है। यह इसकी एलेक्सा-इनेबल्ड ईको सीरीज़ में सबसे नई डिवाईस है।, इको स्पॉट एक स्लीक और नई स्मार्ट अलार्म क्लॉक है, जिसमें अनेक कस्टम डिज़ाईन के क्लॉक फेस, रंगीन डिस्प्ले विकल्प और चार नई अलार्म ध्वनियां शामिल की गई हैं। इको स्पॉटका सघन और कस्टमाईजेबल डिस्प्ले शैली और कार्यक्षमता के साथ अलार्म सेट करने और देखने तथा समय, मौसम और गानों के टाइटल एक ही नजर में देखने में समर्थ बनाता है। इसके डायरेक्शनल स्पीकर साउंड का बेहतरीन अनुभव प्रदान करते हैं। यह बेडसाईड टेबल बेहतर बनाने के लिए डिज़ाईन किया गया है। इसके नाईट मोड विकल्प की मदद से ग्राहक नींद के बीच भी स्क्रीन पर आसानी से समय देख सकते हैं।
इको स्पॉट ब्लैक और ब्लू रंगों में उपलब्ध है, तथा सीमित समय के लिए यह केवल 6,449 रुपये के ऑफर मूल्य में मिल रहा है। अमेजन डिवाईसेज़ इंडिया के डायरेक्टर एवं कंट्री मैनेजर, पराग गुप्ता ने कहा, ''हमारी डिवाईसेज़ की मदद से हम ग्राहकों के दैनिक जीवन को लगातार सुविधाजनक और आरामदायक बनाना चाहते हैं। इको स्पॉट हमारी ईको सीरीज़ में सबसे नई डिवाईस है, जो हमारे इसी उद्देश्य को पूरा कर रही है। इसकी मदद से ग्राहक अपने बिस्तर पर लेटे हुए ही द्यद्ग×ड्ड को वॉईस कमांड देकर मौसम का विवरण और कैलेंडर देख सकते हैं, कंपैटिबल स्मार्ट लाईट और घरेलू अप्लायंसेज़ को कंट्रोल कर सकते हैं, तथा सुबह अपने पसंदीदा संगीत के साथ नींद से जाग सकते हैं।'' उन्होंने आगे बताया, ''इसकी एस्थेटिक डिज़ाईन अपने रंगीन और कस्टमाईजेबल डिस्प्ले के साथ बेडसाईड की व्यवस्था ज्यादा आकर्षक बना देती है। ग्राहक जानकारी के लिए —एलेक्साकी मदद लेना पसंद करते हैं——एलेक्सा हर मिली सैकंड अनेकों सवालों के जवाब देती है। ग्राहक मौसम के अपडेट, मामूली जानकारी, रेसिपी, और सामान्य ज्ञान आदि के लिए —एलेक्सा की मदद लेते हैं। वो रिमाईंडर, अलार्म, टाईमर सेट करने, सूची बनाने आदि कामों में भी —एलेक्सा की मदद लेते हैं।,

कोटक महिंद्रा बैंक नेतीसरी बार वाणिज्यिक वाहन ड्राइवर्स के लिए सेहत का सफर स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया

- **देशव्यापी स्तर पर 45 स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे जो कि ड्राइवर्स की सेहत एवं तंदुरुस्ती को और बेहतर बनाएंगे**

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक (कोटक) ने अपनी सीएसआर पहल 'सेहत का सफर' का तीसरा संस्करण लॉन्च करने की घोषणा की है। यह पहल वाणिज्यिक वाहन चालकों के स्वास्थ्य और भलाई को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इस वर्ष यह पहल 45 स्थानों तक पहुंचेगी, जो पिछले संस्करण के 30 स्थानों की तुलना में अधिक है। इन मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविरों का लाभ लगभग 4000 ट्रक चालकों को मिलेगा।

ये स्वास्थ्य शिविर देश के बड़े परिवहन केंद्रों जैसे दुलियाजान, दुर्गापुर, पटना, दिल्ली, कोयंबटूर और भोपाल में आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य ड्राइवरों के जीवन को बेहतर बनाना और उनके योगदान को सराहते हुए उनकी सेहत और भलाई का ख्याल रखना है। वाणिज्यिक वाहन चालकों का देश की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान होता है, और यह पहल उनके प्रति कोटक की प्रतिबद्धता को मजबूत बनाती है। इन शिविरों में, न केवल स्वास्थ्य जांच की जाएगी, बल्कि विशेषज्ञ काउंसलर उन्हें दैनिक जीवन में स्वस्थ आदतें अपनाने की जानकारी देंगे।

कैप्टन टेक्नोकास्ट लिमिटेड ने 8.4 करोड़ की इक्विटी आवंटन के साथ अपनी पूंजी आधार को किया मजबूत

मुंबई, एजेंसी। कैप्टन टेक्नोकास्ट लिमिटेड जो कि प्रिसीजन इन्वेस्टमेंट कास्टिंग का प्रमुख निर्माता, निर्यातक और आपूर्तिकर्ता है, ने समकक्ष संख्या के वॉरंट्स के रूपांतरण के माध्यम से 14,00,000 इक्विटी शेयरों का आवंटन पूरा कर लिया है। वारंट रूपांतरण के माध्यम से प्रेफरेंशियल आधार पर सफल इक्विटी आवंटन, जिसमें प्रत्येक वारंट के लिए पूर्ण और अंतिम सदस्यता राशि के खिलाफ 75 प्रतिशत शेष राशि प्राप्त होने के बाद इसे इक्विटी शेयरों में रूपांतरित किया जाता है, कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण विकास है। यह कंपनी के पूंजी आधार को मजबूत करता है और भविष्य में विकास के लिए कंपनी को सुदृढ़ स्थिति में लाता है। अपने वित्तीय संसाधनों को बढ़ाकर, कंपनी का उद्देश्य संचालन में सुधार लाना और औद्योगिक क्षेत्रों में अपनी विविध ग्राहक सूची को उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादों की निरंतर आपूर्ति करना है।.
यह टिप्पणी करते हुए, श्री अनिल वी. भालू, प्रबंध निदेशक, कैप्टन टेक्नोकास्ट लिमिटेड ने कहा, यह सफल इक्विटी आवंटन कैप्टन टेक्नोकास्ट लिमिटेड के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

बारट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने सिंगापुर की पीटीडब्ल्यू ग्रुप के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए

मुंबई, एजेंसी। बारट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड (बीएसई 532694, एनएसई), जो वित्तीय प्रौद्योगिकी समाधान प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनी है, और पीटीडब्ल्यू ग्रुप, जो सिंगापुर स्थित सेमीकंडक्टर समाधान प्रदाता है, ने भारत के सेमिकंडक्टर उद्योग को सुदृढ़ करने के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एमओयू हैदराबाद में सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री, तेलंगाना के साथ बैठक के बाद हस्ताक्षरित किया गया, जिससे भारत के वैश्विक सेमीकंडक्टर केंद्र बनने की महत्वाकांक्षी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित हुआ। यह एमओयू पीटीडब्ल्यू ग्रुप, सिंगापुर आधारित सेमीकंडक्टर समाधान प्रदाता के भारतीय बाजार में प्रवेश का प्रतीक है। नए फैसिलिटीज़ की योजना भारत में नए फैब्स की स्थापना, सेमिकॉन उपकरणों के स्थानीय उत्पादन और पुनर्निर्माण और सेमीकंडक्टर उत्पादन, प्रक्रियाओं और उपकरणों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों को स्थापित करने में मदद करने के लिए बनाई गई है। पीटीडब्ल्यू और बारट्रॉनिक्स का प्रस्तावित विलय भारत में उत्पादन, पुनर्निर्माण और प्रशिक्षण सुविधाओं की स्थापना का उद्देश्य रखता है ताकि सेमीकंडक्टर उद्योग की बढ़ती मांगों को पूरा किया जा सके। यह उत्पादों, सेवाओं और प्रशिक्षण में नवाचार को प्रेरित करेगा और इस प्रकार भारतीय सेमिकॉन परिदृश्य को बदल देगा। इसके अलावा, यह अनुसंधान एवं विकास, निर्माण, कार्यबल प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समर्थन करेगा, जो भारत के वैश्विक सेमीकंडक्टर केंद्र बनने के लक्ष्य के अनुरूप होगा। पीटीडब्ल्यू, जिसकी विश्वभर में 14 से अधिक देशों में उपस्थिति है, दुनिया में एकमात्र पुनर्निर्माणकर्ता है जिसे 700 से अधिक फैब्स के साथ अनुमोदित विक्रेता स्थिति प्राप्त है। इनमें बाज़ार के प्रमुख जैसे टीएसएमसी, यूएमसी, ग्लोबल फाउंड्रीज, सोनी, सैमसंग, माइक्रोन, एसटी माइक्रो, इन्फिनियन, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स शामिल हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहले एकदिवसीय में आयरलैंड को हराया

–प्रतिका रावल ने लगाया अर्धशतक

राजकोट (एजेंसी)। प्रतिका रावल के शानदार अर्धशतक 89 रनों की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां पहले ही एकदिवसीय मैच में आयरलैंड को छह विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम ने इसी के साथ ही तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। इस मैच में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम को जीत के लिए 238 रनों का लक्ष्य दिया जो भारतीय टीम ने चार विकेट पर हासिल कर लिया।

आयरलैंड की टीम की पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारतीय टीम को तितास साधु ने पहला विकेट दिलाया। उन्होंने सारा फोर्ब्स को 09 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। ओर्ला प्रेंडरगास्ट ने 9 बनाए वह भी स्टंप आउट हो गयीं। इस प्रकार 15 आवरों के अंदर ही टीम ने तीन विकेट 56 रन पर ही खो दिये।

इसके बाद कप्तान गैबी लुईस की 92 रन की बेहतरीन पारी और उनकी लियाह पॉल 59 रन के साथ 117 रन की साझेदारी के बल पर आयरिश टीम ने सात विकेट पर 237 रन बनाये। इसके बाद 238 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए

भारत की ओर से स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने शुरुआत की। मंधाना ने 40 रन बनाए। वह अर्धशतक से रह गई जबकि प्रतिका ने 89 रन की जबरदस्त पारी खेली। वहीं, तीसरे नंबर पर आई हरलीन देओल 20 रन बनाकर पेवेलियन लौटी। चौथे नंबर पर आई जेमिमाह रोड्रिग्स ने 9 रन बनाये। तेजल हसबनिस ने भी शानदार 53 रन बनाये। अंत में ऋचा घोष ने 2 गेंदों में 8 रन बनाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

14 जनवरी से इंडिया ओपन से वापसी करेंगी सिंधु

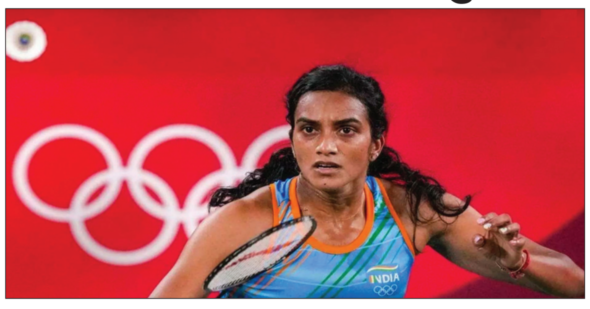

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु 14 जनवरी से शुरु हो रहे योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2025 में खेलती हुई नजर आयेंगी। ये शादी के बाद सिंधु का पहला टूर्नामेंट होगा। उनकी पिछले माह दिसंबर में शादी हुई थी। इंडिया ओपन सुपर 750 के तीसरे संस्करण में भारत सहित दुनिया भर के कई खिलाड़ी भाग लेंगे। पीवी सिंधु ने अंतिम बार सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 में भाग लिया था।

सुपर 750 भारतीय बैडमिंटन संघ द्वारा आयोजित मुख्य प्रतियोगिता रही है। इस टूर्नामेंट में ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेल्सन, एन से यंग और विश्व नंबर एक खिलाड़ी शि यूकी भी खेलते हुए दिखेंगे। ये टूर्नामेंट शुरुआत से से डीडब्यूएफ विश्व टूर का हिस्सा रहा है, जहां पर विजेता को 9,50,000 यूएस डॉलर की धनराशि और 11000 अंक मिलते हैं, टूर्नामेंट के इस तीसरे सत्र में भारत के ओर से 21 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। वहीं पिछले दो सीजनों में भारत की ओर से 14 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इस सत्र में पुरुष युगल में एशियन गोल्ड मेडलिस्ट सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, एशियन गेम्स ब्रॉन्ज मेडलिस्ट एचएस प्रणय पर सभी की निगाहें होंगी। टूर्नामेंट में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ी।

पुरुष एकल– लक्ष्य सेन, एचएस प्रणॉय, प्रियांशु राजावत

महिला एकल– पीवी सिंधु, मालविका बंसोद, अनुपमा उपाध्याय, आकर्षी कश्यप

पुरुष युगल– चिराग शेट्टी/सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी, के साइ प्रथीक/पृथ्वी के रॉय

बुमराह को बनाये अगला कप्तान : गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारतीय टीम का अगला कप्तान बनाया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा कि बुमरान में नेतृत्व क्षमता है और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ये बात एक बार फिर साबित हुई है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने पर्थ में पहले टेस्ट में जीत भी दर्ज की थी। गावस्कर ने कहा कि बुमराह ने गेंद से आगे बढ़कर नेतृत्व किया, पांच मैचों की श्रृंखला में 32 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड भी हासिल किया। बुमराह की कप्तानी की व्यापक प्रशंसा हुई, जब उन्होंने पर्थ में कप्तानी की जिम्मेदारी अच्छे तरीके से निभाई । पहले भी वह कार्यवाहक कप्तान के तौर पर काम कर चुके हैं। रोहित शर्मा के सिडनी टेस्ट से हटने के बाद उन्हें अंतिम टेस्ट में फिर से कप्तानी सौंपी गई पर पीठ की चोट के कारण वे तीसरे दिन गेंदबाजी नहीं कर पाए। गावस्कर के अलावा कई और लोगों ने भी बुमराह को भारतीय टेस्ट टीम का भावी कप्तान बताया है।

गावस्कर ने कहा कि बुमराह एक लीडर की तरह काम करते हैं पर अपने साथियों पर दबाव नहीं डालते। उन्होंने कहा, वह अगला खिलाड़ी हो सकता है। अंदर एक बहुत नेतृत्व कर्ता की अच्छी छवि है पर वह ऐसा व्यक्ति नहीं है जो आप पर दबाव डाले जबकि कभी-कभी आपके पास ऐसे कप्तान होते हैं जो आप पर बहुत दबाव डालते हैं। गावस्कर ने आगे कहा कि बुमराह खिलाड़ियों से अपना काम करने की उम्मीद करते हैं और उन पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालते। उन्होंने कहा कि कि कैसे उन्होंने मिड-ऑफ और मिड-ऑन पर खुद को रखकर और लगातार बाकी तेज गेंदबाजों को जरुरी सुझाव दिये। गावस्कर ने कहा, बुमराह के मामले में आप देख सकते हैं कि वह दूसरों से यही उम्मीद करते हैं कि वे वही करें जो उनका काम है और जिसके लिए वे राष्ट्रीय टीम में हैं पर वह किसी पर दबाव नहीं डालते। तेज गेंदबाजों के मामले में वह बिल्कुल शानदार रहे हैं। मिड-ऑफ, मिड-ऑन पर खड़े रहे। हर बार वह उन्हें बताने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए मौजूद थे। मुझे लगता है कि वह बिल्कुल शानदार थे और अगर वह जल्द ही कमान संभाल लेते हैं तो मुझे हैरानी नहीं होगी।

विराट जानते है कैसे वापसी करनी है : डुप्लेसी

केपटाउन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी ने खराब फार्म के कारण आलोचना का सामना कर रहे भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट का बचाव किया है। डुप्लेसी ने कहा कि विराट को किसी भी प्रेरणा की जरुरत नहीं है। वह जानते हैं कि कैसे फार्म हासिल करनी है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि विराट भी स्वयं ही इस कठिन संघर्ष से निकलना चाहेंगे। हाल में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान कोहली का प्रदर्शन बहुत खराब रहा जिसमें उन्होंने पर्थ में पहले टेस्ट में नाबाद शतक के साथ शुरुआत की थी पर बाद के पांच टेस्ट मैचों में वह 23.75 की औसत से केवल 190 रन ही बना पाये।

डुप्लेसी ने कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि संघर्ष के बाद वह और मजबूत होकर वापसी करेंगे और साथ ही कहा कि संन्यास लेना बहुत व्यक्तिगत चीज है, इसके बारे में उन्हें ही तय करना होगा। कोई भी आपसे यह नहीं कह सकता कि एक खिलाड़ी के तौर पर उनका खेलने का समय कब समाप्त होगा, आपको पता चल जाएगा। डुप्लेसी ने कहा कि मैं जानता हूं कि उनके जैसा

खिलाड़ी बहुत ही प्रेरित रहता है। वह पहले भी इस दौर से गुजरा है, इसलिए उसे पता है कि उसे क्या करना है। डुप्लेसी ने कहा कि हर खिलाड़ी के लिए संन्यास का समय अलग होता है। हर खिलाड़ी को इस सवाल का जवाब स्वयं देना होता है। मुझे याद है कि मेरे लिए वह समय कब था। मुझमें पहले जैसी भूख और जोश नहीं था और मुझे लगा कि निश्चित रूप से नए खिलाड़ियों के आने और टी20 की दुनिया में कदम रखने का सही समय है।

बीसीसीआई की विशेष आम बैठक रविवार को, आईसीसी चेयरमैन जय शाह को किया जाएगा सम्मानित

मुंबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की राज्य इकाइयां बोर्ड की रविवार को यहां होने वाले विशेष आम बैठक (एसजीएम) से इतर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष जय शाह को सम्मानित करेंगी। बीसीसीआई के पूर्व सचिव शाह पिछले साल अगस्त में निर्विरोध चुने जाने के बाद सबसे कम उम्र के आईसीसी चेयरमैन बने। उन्होंने एक दिसंबर को पदभार संभाला । शाह ने ग्रेग बार्कले का स्थान लिया जिन्होंने तीसरा कार्यकाल नहीं लेने का फैसला किया। शाह अक्टूबर 2019 से बीसीसीआई सचिव और जनवरी 2021 से एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष थे। शाह बीसीसीआई के नए सचिव और कोषाध्यक्ष के चुनाव के लिए बुलाई गई एसजीएम में विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।

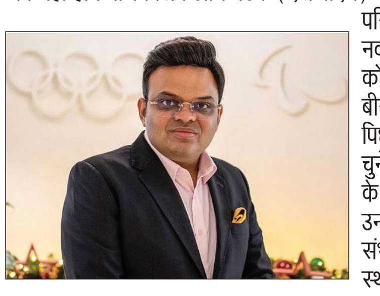

स्वामी प्रेमानंद जी महाराज की शरण में पहुंचे विराट

मुम्बई (एजेंसी)। अपने करियर के सबसे खराब दौर से गुजर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली अब अपने परिवार के साथ स्वामी प्रेमानंद जी महाराज की शरण में पहुंचे हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इसमें विराट के साथ उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा और दोनों बच्चे वामिका और अहान भी नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में विराट और उनकी पत्नी अनुष्का प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे और सबसे पहले उन्होंने महाराज को प्रणाम किया। इसके बाद प्रेमानंद महाराज ने दोनों का हाल-चाल पूछा और आशीर्वाद भी दिया। अनुष?का ने इस दौरान यह भी कहा कि पिछली बार जब वह महाराज से मिली थीं तो उनके मन में कुछ सवाल थे पर अन्य लोग उन सवालों को पहले ही पूछ चुके थे। महाराज जी ने इस पर कहा, हम साधना करते हैं जिससे लोगों को प्रसन्नता मिलती है, और यह जो क्रिकेट का खेल है, वह पूरे देश को प्रसन्नता देता है। विराट और अनुष्का पिछले साल भी प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे थे। विराट और अनुष्का का इससे आध्यात्म की ओर झुकाव भी दिखता है। वह इंग्लैंड दौरे में भी एक सतसंग कार्यक्रम में शामिल हुए थे। खेल की बात करें तो पिछले कुछ समय से विराट लगातार विफलर रहे हैं जिससे उनकी टीम में रहने पर भी सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि विराट मानसिक शांति के लिए आश्रम में पहुंचे होंगे।

इंग्लैंड के बाद दक्षिण अफ्रीकी मंत्री ने कहा , अफगानिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करें

जोहांसबर्ग ।अगले माह पाकिस्तान की मेजबान में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर विवाद समाप्त होने का नाम नहीं ले रहे। इंग्लैंड के कई राजनेताओं ने जहां इसको लेकर अपने क्रिकेट बोर्ड से कहा था कि इसमें अफगानिस्तान से मैच का बहिष्कार करें क्योंकि वह महिलाओं का दमन हो रहा है और उनपर कई पाबंदियां लगी हैं। वहीं अब दक्षिण अफ्रीकी खेलमंत्री ने कहा है कि बोर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले का बहिष्कार करे।खेल मंत्री गेटन मैकेंजी ने बोर्ड से कहा है कि वह इस मुकाबले के बारे में एक बार फिर विचार करे और अफगानिस्तान के खिलाफ न खेलकर वहां की सरकार को महिलाओं के अधिकारों को लेकर कड़ा संदेश दे। मैकेंजी ने कहा क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ ही अन्य देशों के क्रिकेट बोर्ड और आईसीसी को भी इस बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए कि क्रिकेट जगत इस दुनिया में किस तरह का संदेश देना चाहता है। वहीं क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि वह इस मामले में आईसीसी के अनुसार काम करेगा। क्रिकेट बोर्ड ने कहा, बोर्ड अफगानिस्तान में महिला अधिकारों के हनन और उनके उत्पीड़न के खिलाफ है और मानता है कि महिला क्रिकेट को भी समान दर्जा मिलना चाहिए पर चैंपियंस ट्रॉफी आईसीसी का इवेंट है और इस मामले में अफगानिस्तान पर फैसला उसे ही लेना है। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से ही वहां महिलाओं पर कई पाबंदी लगा दी गयी हैं। जिसके कारण अब वे खेल में भाग नहीं ले सकती हैं।

'हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा नहीं है' : इंजीनियरिंग कॉलेज में समारोह के दौरान अश्विन का बड़ा बयान

स्पोर्ट्स डेस्क। अपने बोल्ड ब्यानों के लिए जाने जाते पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा नहीं बल्कि आधिकारिक भाषा है। यह एक ऐसी टिप्पणी है जो बहस को जन्म दे सकती है। अश्विन ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के स्नातक समारोह में की, जहां हिंदी का उपयोग हमेशा से एक संवेदनशील विषय रहा है, जिस पर तीखी प्रतिक्रियाएं हुई हैं। छात्रों को संबोधित करते हुए अश्विन ने पूछा कि क्या समारोह में उपस्थित लोग हिंदी में प्रश्न पूछने के लिए तैयार हैं, यदि वे अंग्रेजी या तमिल में सहज नहीं हैं।

अश्विन ने तमिल में कहा, 'अंग्रेजी - मुझे एक बार हां कहें', जिसके जवाब में अश्विन के नाम के नारे लगे। 'तमिल' - इस पर छात्र जोर

से चिल्लाए। 'ठीक है, हिंदी?' जवाब में छात्र अचानक चुप हो गए। मैंने सोचा कि मुझे यह कहना चाहिए। हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा नहीं है; यह एक आधिकारिक भाषा है।'

यह टिप्पणी ऐसे समय में नई बहस को जन्म दे सकती है, जब तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके समेत कई विपक्षी दलों ने केंद्र पर राज्यों, खास तौर पर दक्षिण में हिंदी थोपने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। इसी कार्यक्रम में अश्विन ने टीम इंडिया की कप्तानी के विषय पर भी बात की। यहां, अनुभवी ऑफ स्पिनर ने कूटनीतिक जवाब दिया। अश्विन ने बताया, 'जब कोई कहता है कि मैं यह नहीं कर सकता, तो मैं इसे पूरा करने के लिए जाग जाता हूं, लेकिन अगर वे कहते हैं कि मैं कर सकता हूं, तो मेरी रुचि खत्म हो जाती है।' अश्विन ने अपनी पृष्ठभूमि के बारे में भी बताया, उन्होंने इंजीनियरिंग की है। अपनी यात्रा से सीख साझा करते हुए अश्विन ने छात्रों से कहा कि वे कभी हार न मानें और संदेह के समय भी अपने रास्ते पर डटे रहें। उन्होंने कहा, 'अगर कोई इंजीनियरिंग स्टाफ मुझसे कहता कि मैं कप्तान नहीं बन सकता, तो मैं और अधिक मेहनत करता।' उन्होंने आगे कहा, 'यदि आप छात्र हैं, तो आप कभी नहीं रुकेंगे। यदि आप छात्र नहीं हैं, तो सीखना बंद हो जाएगा और उत्कृष्टता सिर्फ आपकी अलमारी में रखा एक शब्द बनकर रह जाएगा।'

पाकिस्तान पहुंचा आईसीसी का प्रतिनिधिमंडल, चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों का लिया जायजा

लाहौर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पाकिस्तान पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों का जायजा लिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार सुबह पांच सदस्यीय टीम ने कराची में नेशनल बैंक स्टेडियम का विस्तृत निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल ने आयोजन स्थल पर चल रहे निर्माण और नवीनीकरण कार्य का आकलन किया। इस दौरान पीसीबी अधिकारियों और निर्माण कंपनी के प्रतिनिधियों ने प्रतिनिधिमंडल को परियोजनाओं की प्रगति और समयसीमा से अवगत कराया। आईसीसी प्रतिनिधिमंडल ने निर्माणाधीन पांच मंजिला इमारत का दौरा किया और विभिन्न खंडों का निरीक्षण किया। उन्होंने मीडिया सेंटर सहित स्टेडियम की मुख्य इमारत की सुविधाओं का मूल्यांकन किया। प्रतिनिधिमंडल ने कॉन्फ्रेंस हॉल की सुविधाओं का जायजा लिया और दीवारों पर प्रदर्शित अभिलेखों की जांच की और तस्वीरें खींचीं। इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल ने पुरानी इमारत के ड्रेसिंग रूम, चेयरमैन बॉक्स और पीसीबी गैलरी का निरीक्षण किया और तस्वीरें लीं। आईसीसी प्रतिनिधिमंडल का चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों के जायजा लेने का यह चौथा दौरा है। उल्लेखनीय है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का उद्घाटन समारोह 19 फरवरी को नेशनल बैंक स्टेडियम में होगा। पहला मैच उसी दिन पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। स्टेडियम टूर्नामेंट में तीन मैच खेले जाने है।

गंभीर पर भड़के मनोज तिवारी, पाखंडी और पीआर की दुकान कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर और बंगाल के कप्तान रहे मनोज तिवारी ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। मनोज तिवारी ने गंभीर को पाखंडी, दूसरों का श्रेरु स्वयं लेने वाला और पीआर की दुकान बताया है। मनोज तिवारी ने कहा कि खिलाड़ियों के चयन में भी वह प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में आकाश दीप की जगह पर हर्षित राणा को शामिल करने पर भी सवाल उठाये। इससे पहले मनोज ने कहा था कि आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स को जीत दिलाने का श्रेय गौतम गंभीर अधिक ले रहे हैं। साथ ही कहा कि अगर सबकुछ उन्होंने किया तो टीम के मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित क्या कर रहे थे।

टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का दावा, ऑस्ट्रेलिया में दिया गया था जहर

स्पोर्ट्स डेस्क(एजेंसी)। सर्बियाई टेनिस आइकन नोवाक जोकोविच ने चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 से पहले ऑस्ट्रेलिया से निर्वासित करने से पहले मेलबर्न में रहने के दौरान उन्हें %सीसा और पारा% से जहर दिया गया था क्योंकि उन्होंने कोविड-19 का टीका नहीं लगवाया था।

ऑस्ट्रेलिया जोकोविच के लिए यादगार रहा है, जहां कोर्ट पर बहुत कुछ यादें है, वहीं उनके जीवन का सबसे काला अध्याय भी सामने आया। जोकोविच ने कोविड-19 का टीका लेने से इनकार कर दिया था और उस समय उन्होंने खुले तौर पर अपनी स्वतंत्रता व्यक्त की थी। लेकिन महामारी के बीच टूर्नामेंट शुरू होने से पहले जोकोविच को पहले मेलबर्न के एक होटल में हिरासत में लिया गया और बाद में टीका न लगवाने के कारण निर्वासित कर दिया गया। वह टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पाए।

जोकोविच ने खुलासा किया कि जब वह सर्बिया लौटे, तो उन्हें अपने शरीर में 'भारी धातु और पारा' की उच्च-स्तरीय उपस्थिति महसूस हुई। GQ से बात करते हुए जोकोविच ने कहा, 'मुझे कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं। और मुझे एहसास हुआ कि मेलबर्न के उस होटल में मुझे कुछ ऐसा खाना खिलाया गया था, जिसने मुझे जहर दे दिया। जब मैं सर्बिया वापस आया, तो मुझे कुछ पता चला। मैंने यह बात कभी किसी को सार्वजनिक रूप से नहीं बताई, लेकिन पता चला कि मेरे शरीर में भारी धातु का स्तर बहुत अधिक था। भारी धातु। मेरे शरीर में सीसा था, सीसा और पारा का बहुत उच्च स्तर पर।'

पूर्व विश्व नंबर एक ने यह भी कहा कि उन्हें मेलबर्न में 'जेल के कमरे' में रखा गया था, जबकि अन्य एथलीट टूर्नामेंट से पहले सख्त क्वारंटीन से गुजर रहे थे। उन्होंने कहा, 'बहुत से एथलीट जो 40 दिन पहले क्वारंटीन में थे, उन्हें भी कमरे में बंद कर दिया गया था। लेकिन अंतर यह है कि जाहिर तौर पर वे जेल के कमरे में नहीं थे और मैं था। मेरे पास 100 से ज़्यादा आइटम वाला एक पेपर था- टूथब्रश, टूथपेस्ट, पानी, खाना, जो भी हो। और मुझे चुनना था, कुछ बॉक्स पर टिक करना था और इनमें से हर आइटम के लिए एक निश्चित मात्रा में अंक मिलते हैं, और मुझे कुल 60 अंक मिले जो मुझे प्राप्त करने की अनुमति थी। मैंने 59 या 60 अंक हासिल किए। बीस मिनट बाद मैं वापस आया और उन्होंने कहा, हमने गलती की, आपके पास 60 नहीं, 30 हैं। तो मुझे लगा, आप मजाक कर रहे हैं।'

जोकोविच ने कहा कि उन्हें कोविड-19 टीकाकरण पर उनके रुख के कारण बलि का बकरा बनाया गया और पूरा प्रकरण राजनीतिक था क्योंकि राजनेता उन्हें 'बर्दाश्त' नहीं कर सकते थे। उन्होंने कहा, 'यही वास्तविक कारण है कि मुझे ऑस्ट्रेलिया से निर्वासित किया गया था। यही बात तीन संघीय न्यायाधीशों ने अंत में कही। उनका फैसला यह है कि वे [आव्रजन] मंत्री के विवेकाधीन अधिकार पर सवाल उठाने की स्थिति में नहीं हैं। यह बहुत राजनीतिक था। इसका वास्तव में वैक्सीन या कोविड या किसी और चीज से कोई लेना-देना नहीं था। यह सिर्फ राजनीतिक है। राजनेता मुझे वहां नहीं देख सकते थे। मुझे लगता है कि उनके लिए मुझे वहां रखना जितना नुकसानदेह था, उससे कहीं ज़्यादा मुझे निर्वासित करना था।'

उन्होंने कहा कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया या ऑस्ट्रेलियाई लोगों से कोई शिकायत नहीं है,

लेकिन यह उनका परिवार है जो अभी भी पूरे प्रकरण के बारे में गहरी भावनाएं रखता है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए, मैं ठीक हूं। मुझे ऑस्ट्रेलियाई लोगों से कभी कोई शिकायत नहीं थी। इसके विपरीत, वास्तव में बहुत से ऑस्ट्रेलियाई लोग जिनसे मैं मिलता हूं, मैं पिछले कुछ वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में या दुनिया के अन्य स्थानों पर मिला हूँ, वे मेरे पास आते हैं और मेरे साथ किए गए व्यवहार के लिए मुझसे माफ़ी मांगते हैं क्योंकि वे उस समय अपनी ही सरकार से शर्मिंदा थे। और मुझे लगता है कि सरकार बदल गई है और उन्होंने मेरा वीजा बहाल कर दिया है और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। यह एक नया प्रधानमंत्री और नए मंत्री, नए लोग हैं इसलिए मुझे इसके लिए कोई शिकायत नहीं है। मुझे वास्तव में वहां रहना बहुत पसंद है, और मुझे लगता है कि मेरे परिणाम टेनिस खेलने और उस देश में होने की मेरी अनुभूति का प्रमाण हैं।'

चहल ने प्रशंसकों से सहयोग मांगा

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेटर युजवेन्द्र चहल ने पत्नी धनश्री वर्मा के साथ तलाक को लेकर का रही खबरों पर अब अपनी चुप्पी तोड़ी है। चहल ने सोशम मीडिया में एक पोस्ट जारी कर प्रशंसकों से सहयोग मांगने के साथ ही काफी कुछ कहा है पर इस दौरान वह धनश्री को लेकर कुछ नहीं बोले जिससे प्रशंसक और उलझा गये। चहल ने अपने प्रशंसकों से सहयोग करते रहने की उम्मीद की है। उन्होंने लोगों से कहा कि वह बेटे, एक भाई और एक दोस्त की तरह हैं। साथ ही कहा कि वह सोशल मीडिया पर चल रही खबरों से परेशान हैं। चहल ने कहा कि मैं अपने सभी प्रशंसकों का उनके प्यार और समर्थन के लिए आभारी हूं, जिनके बिना मैं यहां तक नहीं आ पाता। लेकिन यह यात्रा अभी ख़त्म होने से बहुत दूर है। मेरे देश, मेरी टीम और मेरे प्रशंसकों के लिए अभी भी मुझे कई अविश्वसनीय ओवर देने हैं। मुझे एक खिलाड़ी होने पर गर्व है, मैं एक बेटा, एक भाई और एक दोस्त भी हूं। मैं हाल की घटनाओं, खासकर अपने निजी जीवन के बारे में व्याप्त जिज्ञासा को समझता हूं। हालांकि, मैंने कुछ सोशल मीडिया पोस्ट देखी हैं जिनमें ऐसे मामलों पर अटकलें लगाई जा रही हैं जो सच हो भी सकती हैं और नहीं भी इससे मुझे और मेरे परिवार को ठेस पहुंचती है। एक बेटे, एक भाई और एक दोस्त के रूप में मैं विनम्रतापूर्वक सभी से अनुरोध करता हूं कि वे इन अटकलों में शामिल न हों, क्योंकि इससे मुझे और मेरे परिवार को दुख होता है। मेरे पारिवारिक मूल्यों ने मुझे हमेशा सभी के लिए अच्छा चाहने, शॉर्टकट अपनाने के बजाय समर्पण और कड़ी मेहनत के माध्यम से सफलता प्राप्त करने का प्रयास करना सिखाया है और मैं इन मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध हूं। दिव्य आशीर्वाद के साथ, मैं हमेशा आपका प्यार और समर्थन पाने का प्रयास करूंगा, सहानुभूति नहीं। सभी को प्यार।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मशरूम की खेती

मशरूम की खेती हजारों वर्षों से विश्वभर में भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ हृदय और हृदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है।

मशरूम उत्पादन तकनीकी

पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

भारत में मशरुम की प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूडा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है।

आम वाईट बटन मशरूम

आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्रोरोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) : 150-180 डिग्री से; नमी: 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अतः 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

ऑएस्टर मशरूम

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ :- प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्रोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचाई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचाई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।

लकड़ी के सांचे - 45.30.15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44.29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

टाट के बोरे

स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

एक स्प्रेयर कैसे करें

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे

किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा।

कूड़ा खाद तैयार करना

गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिगनिन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूडा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्ट्रेट को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूडा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं।

अतः, इन सबस्टूट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्ग100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठयमान कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंत्तर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयतः सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी।

प्रणाली

छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयतः सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है।

अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयतः दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0ङ्ग2.5ङ्ग2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें।

चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-डुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए।

बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए।

अब क्या करें

लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए।

स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुनः स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए।

आगे क्या करें

अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए।

बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

यह भी करें

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

परिरक्षण

मशरूम को ताजा खाया जा सकता है अथवा इसे सुखाया जा सकता है। चूंकि वे शीघ्र ही नष्ट हो जाने वाले प्रकृति के होते हैं तो आगे के इस्तेमाल अथवा दूरस्थ विपणन के लिए उनका परिरक्षण आवश्यक है। ओयेस्टर मशरूम को परिरक्षित करने का सबसे पुराना एवं सस्ता तरीका है धूप में सुखाना।

गर्म हवा में सुखाना कारगर उपयोग है जिसके द्वारा मशरूम को डिहाइड्रेटर (स्थानीय रूप से तैयार उपस्कर) नामक उपस्कर में सुखाया जाता है मशरूम को एक बंद कमरे में लगे हुए तार के जाल से युक्त रैक में रखा जाता है तथा गर्म हवा (500 से 550 से) 7-8 घंटे तक रैक के माध्यम से गुजरती है।

मशरूम को सुखाने के बाद इसे वायुसह डिब्बे में स्टोर किया जाता है अथवा 6-8 माह के लिए पोलीबैग में सील कर दिया जाता है। पूरी तरह से सोखने के उपरांत मशरूम अपने ताजे वजन से कम होकर एक से घट कर तैरहवां भाग रह जाता है जो सुरक्षा के आधार पर अलग-अलग होता है। मशरूम को ऊष्ण जल में भिगोकर आसानी से पुनःजलित किया जा सकता है।

रोग एवं कीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) : यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

नियंत्रण :फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीट

मक्खियां :देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण : फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

कुटकी : ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण :घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

शम्बूक, घोंघा : ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण : क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

अन्य कीटाणु

5.कृन्तक : कृन्तकों का हमला ज्यादातर अल्प कीमत वाले मशरूम हाउसों पर पाया जाता है। वे अनाज की स्पॉन को खाते हैं तथा क्यूबों के अंदर छेद कर देते हैं।

नियंत्रण :मशरूम गृहों में चूहा विष चारे का इस्तेमाल करें। चूहों की बिलों को कांच के टुकडों एवं पलास्टर से बंद कर दें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अतः जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए।

जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है। मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मौसम की मार: यूपी-बिहार में गलन वाली ठंड, दिल्ली में घने कोहरे के चलते घर निकलना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरा उत्तर भारत ठंड और घने की कोहरे की चपेट में हैं। उप्र और बिहार में गलन वाली ठंड है। यहां घर से बाहर निकलने पर ऐसा लगता है कि हाथ ठंड से गल जाएंगे। वहीं दिल्ली और एनसीआर में घना कोहरा होने के कारण लोगों को घर से न निकलने की चेतावनी दी गई है। राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में तापमान लगभग शून्य डिग्री तक पहुंच गया है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में दोपहर में धूप खिलने से लोगों को थोड़ी राहत मिली है।

राजधानी दिल्ली की बात करें तो यहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दिल्ली में जनवरी महीने में पहली बार न्यूनतम पारा पांच डिग्री से नीचे आया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन तक सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरा देखने को मिलेगा। आईएमडी ने अगले दो दिनों के लिए कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश में भी कड़ाके की ठंड जारी है। कोहरे से भी आम जनजीवन प्रभावित है। आईएमडी ने कई जिलों में कोल्ड डे जारी किया है। नोएडा-गाजियाबाद के लोग भी कड़ाके की ठंड से परेशान हैं। इस बीच मौसम विभाग ने कहा है कि अगले कुछ मौसम साफ रहने के आसार हैं। वहीं बिहार में सर्द पछुआ हवाओं के कारण शीतलहर के हालात बने हुए हैं। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक स्थिति में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के कारण तापमान में भारी गिरावट आ सकती है। मैदानी इलाकों में भी तापमान 5 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, वीकेंड पर दिल्ली-एनसीआर में बारिश का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के अलग-अलग इलाकों में अगले कुछ दिनों तक शीतलहर जारी रहेगी। मौसम विभाग ने शनिवार को कुछ जगहों पर हल्की बारिश या बर्फबारी का अनुमान जताया है।

स्काईमेट वेदर के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में 2 से 5 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान 24 घंटे के बाद बढ़ने लगेगा। गंगा के मैदानी इलाकों में कोहरे की तीव्रता में कमी आएगी। वहीं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। 11 जनवरी को राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। 11 और 12 जनवरी को उत्तर प्रदेश, उत्तर मध्य प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा में बारिश की गतिविधियां धीरे-धीरे बढ़ेंगी। 11 और 12 जनवरी के बीच हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में व्यापक बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

गणतंत्र दिवस समारोह- वीर गाथा 4.0 को जबरदस्त प्रतिक्रिया, देशभर में 1.76 करोड़ छात्र लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली । गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त पहल वीर गाथा 4.0 के चौथे संस्करण को देश भर में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है ।इस वर्ष, लगभग 2.31 लाख स्कूलों के लगभग 1.76 करोड़ छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया है। इसके तहत राष्ट्रीय स्तर पर सौ (100) विजेताओं का चयन किया जाता है। विजेताओं को चार श्रेणियों में विभाजित किया जाता है, जिनमें से प्रत्येक से 25 विजेता होते है। 5 सितंबर, 2024 को लॉन्च किए गए प्रोजेक्ट वीर गाथा 4.0 में निबंध और पैराग्राफ लेखन के लिए कई प्रेरक विषय प्रस्तुत किए गए। छात्रों को अपने चुने हुए रोल मॉडल के बारे में, विशेष रूप से वीरता पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए लिखने का अवसर मिला। ।उन्हें रानी लक्ष्मीबाई जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के प्रेरक जीवन, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी विद्रोह की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। विविध विषयों ने न केवल प्रविष्टियों की गुणवत्ता को बढ़ाया, बल्कि प्रतिभागियों की भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की समझ को भी व्यापक बनाया।

नीतीश सरकार देगी पटना में तीन 5 स्टार होटल की सौगात

पटना। राजधानी पटना के लिए बिहार सरकार ने पर्यटकों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने के उद्देश्य से यहां तीन नए पांच सितारा होटलों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की है। पर्यटन विभाग के बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम (बीएसटीडीसी) ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत होटल पाटलिपुत्र अशोक, बांकीपुर बस स्टैंड और सुल्तान पैलेस के परिसर में पांच सितारा होटलों के निर्माण के लिए डेवलपर्स चयन के लिए ई-निविदा प्रकाशित की। बिहार पर्यटन विभाग के अनुसार पटना में तीन पांच सितारा होटल बनाने के प्रस्ताव को राज्य मंत्रिमंडल ने 10 सितंबर, 2024 को मंजूरी दी थी। अब प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। निविदा प्रक्रिया से चुने जाने वाले डेवलपर्स को 90 साल के लिए पट्टा अधिकार दिए जाएंगे, जिसमें शुरुआती पट्टा अवधि 60 साल होगी, जिसे स्वचालित रूप से अतिरिक्त 30 साल तक बढ़ाया जा सकेगा। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 10 फरवरी, 2025 है। बोलियां 11 फरवरी, 2025 को खोली जाएंगी। अत्याधुनिक निर्माण सुनिश्चित करने के साथ ही विरासत के संरक्षण को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। सुल्तान पैलेस की मौजूदा ऐतिहासिक संरचना को संरक्षित किया जाएगा और परिसर में एक पांच सितारा हेरिटेज होटल विकसित किया जाएगा। इन तीन पांच सितारा होटलों के निर्माण के बारे में पर्यटन विभाग ने कहा कि पर्यटकों की जरूरतों को पूरा करने और औद्योगिक माहौल को बढावा देने के लिए यहां लक्जरी होटलों का विकास जरूरी समझा गया। इसके साथ ही इनके निर्माण से न केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

दिल्ली-एनसीआर में गगनचुंबी इमारतें गायब, दिन भर छाया रहा घना कोहरा

-विजिबिलिटी जीरो, शनिवार-रविवार को हो सकती है बारिश

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के अन्य शहरों में बेहद घना कोहरा छाया रहा है। सुबह से यह स्थिति है कि दूर तक कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। ये हालात सिन्धु गंगा के मैदान का है, जो कोहरे के आगोश में समा गया। शुक्रवार को इस सीजन का सबसे घना कोहरा देखा गया। सैटेलाइट इमेज में देखा जा सकता है कि किस तरह इस पूरे इलाके में कोहरे की चादर छाई हुई है। दिल्ली, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, हरियाणा से पश्चिमी मध्य प्रदेश तक कोहरे के हालात ऐसे ही नजर आ रहे हैं। विजिबिलिटी जीरो है। इसके अलावा पूर्वी यूपी में हालात कुछ बेहतर हैं। गौतमबुद्ध नगर में गगनचुम्बी इमारतें भी दिखाई नही दे रही हैं। यहां विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम है। मौसम विभाग ने शनिवार और रविवार को बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को छाए घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आज का तापमान न्यूनतम 6 डिग्री तक रहेगा और अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। बता दें कि शनिवार और रविवार को दिल्ली में बारिश हो सकती है।

स्कूलों को धमकी भरे ईमेल भेजने वाला निकला छात्र, नहीं देना चाहता था टेस्ट

-दिसंबर में ही 100 से ज्यादा स्कूलों को झूठे धमकी भरे ईमेल भेजे गए

नई दिल्ली। दिल्ली में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी ने वाला गिरफ्तार हो गया है। उसने 23 स्कूलों को ईमेल भेज कर धमकी दी थी। यह धमकी देने वाला कोई शातिर अपराधी नहीं बल्कि 12वीं में पढ़ने वाले छात्र है। आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। उसने कबूल किया है कि पहले भी वह इस तरह के ईमेल भेज चुका है। डीसीपी साउथ ने बताया कि आरोपी छात्र ने पूछताछ में बताया कि उसने दिल्ली के अलग-अलग स्कूलों को 23 ईमेल भेजे थे। इन ईमेल्स में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। नाबालिग आरोपी ने बताया कि वह स्कूल में टेस्ट नहीं देना चाहता था और इसे कैंसल कराने के लिए उसने धमकी वाले ईमेल का तरीका निकाला और धमकी दे दी। पुलिस अभी उससे और जानकारी एकत्रित कर रही है। पिछले साल दिल्ली में कई बार स्कूलों में धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे, जिनकी वजह से जहां अभिभावक बेहद डर गए थे तो स्कूलों में छुट्टी करानी पड़ती थी। दिल्ली पुलिस भी स्कूलों की जांच में परेशान हो गई थी। सिर्फ दिसंबर में ही 100 से ज्यादा स्कूलों को इस तरह के झूठे धमकी भरे ईमेल भेजे गए। पिछले महीने रोहिणी के एक स्कूल में बम की धमकी भेजने वाले भी स्कूल के ही दो छात्र निकले थे।

गृहमंत्री शाह 11 जनवरी को दिल्ली में 'ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार, 11 जनवरी को नई दिल्ली में 'ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य ड्रग तस्करी की बढ़ती समस्या और राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसके प्रभाव, विशेष रूप से उत्तर क्षेत्र के आठ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों, से निपटने पर ध्यान केंद्रित करना है। गृह मंत्री, ड्रग विनष्टीकरण पखवाड़े का शुभारंभ, NCB के भोपाल जोनल यूनिट के नए कार्यालय परिसर का उद्घाटन और MANAS-2 हेल्पलाइन के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विस्तार की शुरुआत करेंगे। सम्मेलन में राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 'MANAS' पोर्टल से राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) के साथ रीयल-टाइम जानकारी साझा करने, ड्रग तस्करी के खिलाफ राज्यों की प्रगति और नार्कोटिक्स समन्वय तंत्र (NCORD) की प्रभावशीलता पर चर्चा की जाएगी। साथ ही राज्य फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं (SFSLs) की कार्यक्षमता को मजबूत करने और उनकी प्रभावशीलता बढ़ाने, ड्रग तस्करी के खिलाफ प्रयासों को मजबूत करने के लिए NIDAAN डेटाबेस के उपयोग, PIT-NDPS अधिनियम के प्रावधानों के कार्यान्वयन, ड्रग से संबंधित मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए विशेष NDPS अदालतों की स्थापना और ड्रग तस्करी तथा इनके दुरुपयोग से निपटने के लिए सभी एजेंसियों के बीच Whole of Govt. approach पर विचार-विमर्श किया जाएगा। 11 से 25 जनवरी 2025 तक चलने वाले ड्रग विनष्टीकरण पखवाड़े के दौरान रू.2411 करोड़ मूल्य के 44,792 किलोग्राम मादक पदार्थों का विनष्टीकरण किया जाएगा।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा का दावा- दिल्ली में पूर्ण बहुमत से बनेगी भारतीय जनता पार्टी की सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रबंधन समिति के साथ बैठक कर चुनाव के मद्देनजर पार्टी की संगठनात्मक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस बैठक में दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के चुनाव प्रभारी एवं पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा, सह-चुनाव प्रभारी अतुल गर्ग (सांसद), सह प्रभारी डॉ अल्का गुर्जर, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा, प्रदेश चुनाव संचालन समिति प्रमुख हर्ष मल्होत्रा (सांसद) एवं सह-प्रमुख मनोज तिवारी (सांसद) भी उपस्थित रहे। नड्डा ने पहले भाजपा की दिल्ली चुनाव संचालन समिति के साथ बैठक की और तत्पश्चात चुनाव प्रबंधन के अलग-अलग विभागों की बैठक की और पार्टी की चुनाव तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को चुनाव के मद्देनजर महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रदेश भाजपा चुनाव संचालन समिति एवं चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्यों को पार्टी की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने का मार्गदर्शन दिया। नड्डा ने कहा कि दिल्ली का यह विधानसभा चुनाव झूठ एवं भ्रष्टाचार रूपी अरविंद केजरीवाल और सच एवं विकास रूपी भाजपा के बीच चुनाव का अवसर है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने अरविंद केजरीवाल रूपी आप-दा से मुक्त होने का मन बना लिया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि दिल्ली की महान जनता इस चुनाव में सच एवं विकास को चुनेगी और दिल्ली को आम आदमी पार्टी से मुक्त करवाएगी।

गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि को लेकर फंसा पेंच, आड़े आ रहे पाकिस्तान कनेक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 जनवरी को होने वाले गणतंत्र दिवस की तैयारियां बहुत तेजी से चल रहीं हैं। अतिथियों की सूची भी बनाई गई है और माना जा रहा है कि दुनिया की सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियंतो को समारोह का मुख्य अतिथि बनाया जाएगा। इसके लिए उन्हें न्यौता भी भेजा गया है। हालांकि सरकार की तरफ से ऐसी कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। वहीं एक खबर ये भी आ रही है कि सुबियंतों को समारोह में अतिथि बनाए जाने को लेकर एक पेंच भी फंस गया है। वो पेंच ये हैं कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत से सीधे पाकिस्तान जाना चाहते हैं। भारत सरकार यही नहीं चाहती है कि वह भारत यात्रा को पाकिस्तान दौरे के साथ कनेक्ट करें। माना जा रहा है कि भारत सरकार उन्हें मनाने की कोशश कर रही है कि वह भारत दौरे के बाद सीधे पाकिस्तान न जाएं। सूत्र के हवाले से एक अंग्रेजी अखबार ने लिखा है कि सुबियंतो 26 जनवरी की परेड में मुख्य अतिथि होंगे। मगर अब तक यात्रा के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। आम तौर पर इस तरह की घोषणा महीनों पहले ही कर दी जाती है।

खबर के मुताबिक, भारत ने इंडोनेशिया के साथ इस मुद्दे को राजनयिक चैनल के माध्यम से उठाया है। भारत को उम्मीद है कि सुबियंतो को गणतंत्र दिवस समारोह के तुरंत बाद इस्लामाबाद के लिए उड़ान भरने से रोकने में कामयाबी मिलेगी। अगर रिपब्लिक डे परेड के कुछ ही घंटे बाद इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सीधे इस्लामाबाद के लिए उड़ान भरते हैं तो इससे भारत के लिहाज से गलत संदेश जाएगा। खासकर तब जब सीमा पार आतंकवाद जैसे कई मुद्दों पर पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध अच्छे नहीं हैं। जबकि इसके उलट भारत और इंडोनेशिया के बीच पारंपरिक रूप से मजबूत संबंध रहे हैं। घोषणा में देरी की वजह यह है कि पाक मीडिया में यह खबर है कि इंडोनेशियाई राष्ट्रपति 26 जनवरी को तीन दिवसीय यात्रा पर इस्लामाबाद पहुंच सकते हैं। पाकिस्तान से जब से रिश्ते पूरी तरह तल्ख हुए हैं, तब से भारत अपना कोई भी कनेक्शन उससे नहीं चाहता। भारत सरकार हाल के दिनों में विदेशी नेताओं को भारत यात्रा के दौरान अपने कार्यक्रम में पाकिस्तान को शामिल न करने और दोनों देशों के साथ अपने संबंधों को अलग रखने के लिए प्रोत्साहित करती रही है।

बिहार में नीतीश कुमार के बहाने तेजस्वी और लालू यादव लगा रहे हैं प्रेशर पॉलिटिक्स पर दांव

पटना। बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव है। सबकी निगाहें फिर से नीतीश कुमार पर हैं। लालू यादव तो साफ कह चुके हैं कि नीतीश कुमार के लिए उनका दरवाजा खुला है। जबकि तेजस्वी यादव नीतीश की वापसी को अस्वीकार करने की हुंकार भर चुके हैं। तेजस्वी यादव यहीं नहीं रुके। वह तो राहुल गांधी के कांग्रेस को भी सीधा संदेश दे चुके हैं। या तो राजद की बात मानकर पिछलग्गू बने रहिए, वरना हाथ जोड़िए और पीछा छोड़िए। ऐसे में लोग कन्फ्यूज हैं कि पिता-पुत्र दोनों अलग-अलग चाल क्यों चल रहे हैं? क्या यह राजद की मध्यम मार्ग वाली पॉलिटिक्स है?

दरअसल, कांग्रेस को फटकारने के पीछे तेजस्वी की एक सोची-समझी चाल है। या यूं कहिए कि तेजस्वी यादव की प्रेशर पॉलिटिक्स। अभी तेजस्वी यादव को खूब पता है कि कांग्रेस पूरी तरह बैकफुट पर है। हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में हार से कांग्रेस टूटी हुई है। इंडिया गठबंधन के अन्य साथी उसे घेर रहे हैं। ममता बनर्जी हों, अरविंद केजरीवाल हों या अखिलेश यादव, सभी के टारगेट पर राहुल गांधी और कांग्रेस ही है। कांग्रेस के कई नेता यह इशारा कर चुके हैं कि कांग्रेस अब राजद की पिछलग्गू नहीं बनकर रहना चाहती। बिहार में 1990 के बाद से कांग्रेस राजद की पिछलग्गू बनकर रही है। राजद के बगैर उसका सियासी वजूद बिहार में कभी रहा ही नहीं। मगर अब कांग्रेस अपने पैरों पर खड़े होकर चलना चाहती है। इसलिए कांग्रेस तेवर दिखा रही है। वह साफ-साफ कह चुकी है कि उसे पिछली बार जितनी ही 70 सीटें चाहिए। अब तेजस्वी यादव को कांग्रेस के इस तेवर की भनक है। तेजस्वी यादव मौके को हाथ से जाने नहीं देना चाहते हैं। इसलिए वह कांग्रेस को आड़े हाथों ले रहे हैं। राजद को पता है कि कांग्रेस को अधिक सीट देने का मतलब है सियासी नुकसान। जैसा बीते चुनावों में दिखा। इसलिए तेजस्वी यादव इंडिया गठबंधन को लोकभा चुनाव तक का करार बता रहे हैं। तेजस्वी यादव को लग रहा है कि कांग्रेस सीट शेयरिंग में आंखें दिखा सकती है। वह अधिक सीटों का दवाब बनाएगी।

अब बुजुर्गों पर एचएमपीवी का अटैक, गुजरात में मिला देश का पहला संक्रमित मरीज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। एचएमपीवी का संक्रमण पहले बच्चों में पाया गया था हम बुजुर्ग भी इसकी चपेट में आ गए हैं। अहमदाबाद में देश का संक्रमित बुजुर्ग मिला है। जिसका इलाज चल रहा है।

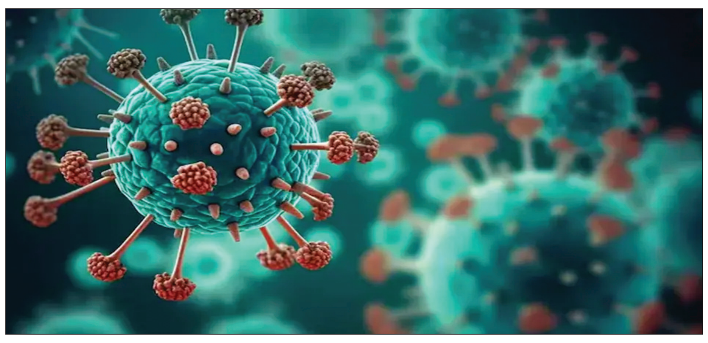

अहमदाबाद नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि एक 80 वर्षीय बुजुर्ग में ह्यूमन मेटाप्नीउमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण की पुष्टि हुई है। यह गुजरात में इस साल का दूसरा और भारत में एक बुजुर्ग में इस संक्रमण का पहला मामला है। चीन में हाल ही में एचएमपीवी संक्रमण के मामलों के बाद भारत में इस संक्रमण का यह नया मामला सामने आया है। अहमदाबाद नगर निगम ने बताया कि मरीज का इलाज अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में चल रहा है और उनकी कोई विदेश यात्रा की जानकारी नहीं है। मरीज को बुधवार को अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां गुरुवार को उनके सैंपल्स में संक्रमण की पुष्टि हुई। बुजुर्ग मरीज लंबे समय से अस्थमा का रोगी है, लेकिन फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर है।

गुजरात में एचएमपीवी का यह दूसरा मामला है। इससे पहले 6 जनवरी को एक दो महीने के शिशु में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। हालांकि, वह पूरी तरह से ठीक होकर अस्पताल से छुट्टी ले चुका है। केंद्र सरकार ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह वायरस भारत में नया नहीं है। राज्य सरकारों को श्वसन संबंधी बीमारियों पर निगरानी बढ़ाने और लोगों को संक्रमण से बचाव के लिए जागरूक करने का निर्देश दिया गया है।

सांस लेने में तकलीफऔर सीने में दर्द जैसे लक्षण

एचएमपीवी एक वायरल संक्रमण है, जो आम सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण पैदा करता है। यह संक्रमण ड्रॉपलेट्स, सीधे संपर्क और संभवतः हवा के जरिए फैलता है। इसके लक्षण हल्के (जैसे नाक बहना) से लेकर गंभीर (सांस लेने में तकलीफऔर सीने में दर्द) तक हो सकते हैं। बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने बयान में बताया था कि एचएमपीवी कई प्रकार के श्वसन संक्रमण फैलाने वाले वायरसों में से एक है। यह संक्रमण सर्दियों और वसंत के शुरुआती महीनों में अधिक फैलता है। मंत्रालय ने कहा, यह वायरस आमतौर पर हल्का होता है और ज्यादातर लोग खुद ही ठीक हो जाते हैं।

जब तक निर्णय नहीं होता, 1.12 लाख करोड़ रुपये के शो-कॉज नोटिस पर रोक

ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत देकर 1.12 लाख करोड़ रुपये के गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) शो-कॉज नोटिस को रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि इन नोटिस से जुड़े सभी मामले फिलहाल स्थगित रहे, जब तक कोर्ट इस पर अंतिम निर्णय नहीं ले लेता है। सुप्रीम कोर्ट ने इन कंपनियों से जुड़े मामलों को एक साथ जोड़ने का निर्देश दिया है। अब मामलों की अगली सुनवाई 18 मार्च, 2025 को होगी।

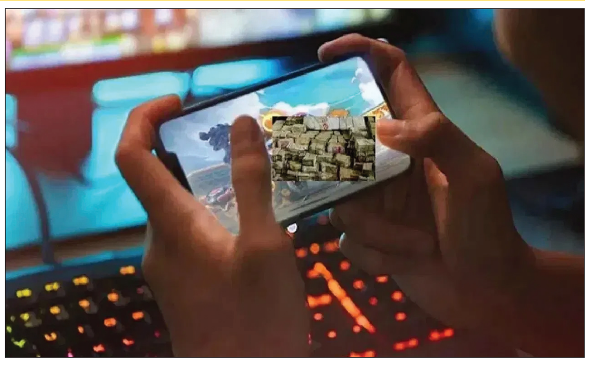

यह फैसला ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के लिए एक राहत भरा कदम है, क्योंकि इस पर कर अधिकारियों और कंपनियों के बीच लंबे समय से विवाद रहा था। इस विवाद का मुख्य मुद्दा ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी लागू करने की व्याख्या है। केंद्र सरकार का कहना है कि 28 प्रतिशत जीएसटी पूरे एंट्री अमाउंट पर लगना चाहिए, जिसमें इनाम राशि (प्राइज पूल) भी शामिल होती है। वहीं, गेमिंग कंपनियों का तर्क है कि जीएसटी केवल उनके प्लेटफॉर्म फीस या कमीशन पर लगना चाहिए, क्योंकि इनमें से कई गेम कौशल (स्किल) पर आधारित होते हैं, न कि किस्मत (चांस) पर निर्भर होती है। ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री से जुड़े जानकार ने कहा, ÷मार्च में होने वाली अंतिम सुनवाई सेक्टर के लिए नियामकीय ढांचे को तय करने और एक निष्पक्ष और पारदर्शी टैक्स रिजीम सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा शो-कॉज नोटिस पर रोक लगाना ऑनलाइन गेमिंग और कैसिनो कारोबार के लिए राहत भरा कदम है। इससे न केवल कानूनी स्पष्टता मिलती है, बल्कि तेजी से बढ़ते सेक्टर में सही प्रक्रिया और नियमों के महत्व को भी उजागर किया गया है। इस फैसले का ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने स्वागत किया है।

कभी सुकून और सस्ती दिल्ली, आज यहां जिंदगी महंगी और भागमभाग वाली

*** महंगे शहरों की रैंकिंग दिल्ली देश में दूसरे नंबर पर**

नई दिल्ली (एजेंसी)। फरवरी में दिल्ली विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। दिल्ली में विकास के तमाम दावे और चुनावी वादे लोगों के सामने हैं। कभी शांति और सुकून के लिए जानी जाने वाली दिल्ली आज भागमभाग की जिंदगी और महंगाई वाली लाइफ स्टाइल के लिए मशहूर है। दुनिया में अगर महंगे शहरों की रैंकिंग देखी जाए तो दिल्ली का नाम मुंबई के बाद दूसरी और दुनिया में 165 नंबर पर आता है, लेकिन प्रति व्यक्ति आय की बात की जाए तो दिल्ली सबसे रईस है। औसत प्रति व्यक्ति आय के मामले में दिल्ली सबसे आगे है। साल 2023-24 में दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय 4,61,910 रुपए है जबकि देश में औसत प्रति व्यक्ति आय 13.14 हजार डॉलर यानी करीब 2.28 लाख रुपए है।

लुटियंस दिल्ली में कई इलाके ऐसे हैं जहां एक वर्ग फुट जमीन की कीमत 3 लाख से भी ज्यादा हैं। इसके इलावा निजामुद्दीन ईस्ट, साउथ एक्स, मॉडल टाउन, सिविल लाइंस, हौज खास, वसंत कुंज और लाजपतनगर जैसे इलाकों में जमीनों की कीमत करोड़ों से नीचे नहीं है, लेकिन कभी दिल्ली सस्ती हुआ करती थी, जहां कौड़ियों के भाव जमीनें मिलती थीं और कुछ रुपयों में बंगले किराये पर मिल जाते थे लेकिन अब वह दौर खत्म हो चुका है। यहां जमीन की कीमत आसमान छू रही हैं।

कभी दिल्ली में 25 रुपये गज जमीन और दूध रुपये का नौ सेर मिलता था। मॉर्डन दिल्ली की नींव पड़ी 1911 में जब अंग्रेजी शासन ने कोलकाता से दिल्ली का रुख किया। साल 1931 में लुटियन की डिजाइन की हुई दिल्ली का उद्घाटन हुआ और फिर सड़कें, कॉलोनियां और बाजार बसाए जाने लगे, लेकिन भागमभाग और भीड़ वाली दिल्ली बनने से पहले ये शहर सुकून और सस्ती होने के लिए जाना जाता था। उस दौर में नई दिल्ली का विकास हो रहा था, देश आजादी की ओर बढ़ रहा था। इसके बाद दिल्ली महंगी होती गई और आज सब कुछ आपके सामने है।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय मूल की महिला अफ्रीका में गिरफ्तार ; कैसे 17 जोड़ों को लगाया लाखों का चूना !

जोहान्सबर्ग एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका में 53 साल की भारतीय मूल की एक महिला को ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पेशे से वकील इस महिला ने कथित तौर पर नकली वेन्यू दिखाकर देश भर के 17 जोड़ों से लाखों रुपए ठगे। अब एक निजी सुरक्षा कंपनी ने ट्रैक कर महिला का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि पकड़े जाने के बाद उसने पीड़ितों को पूरे पैसे वापस करने की बात कही है। एक जोड़े ने मोहनलाल को ट्रैक करने के लिए पिछले साल दिसंबर में एक कंपनी से संपर्क किया था। कंपनी ने बाद में सोशल मीडिया के जरिए पता लगाया कि इस तरह कुल 17 जोड़ों को ठगा गया था। साउथ अफ्रीका की एक सिक्योरिटी कंपनी रिएक्शन यूनिट साउथ अफ़्रीका ने बताया कि महिला का नाम प्रीलिन मोहनलाल है। मोहनलाल ने कथित तौर पर उन प्रेमी जोड़ों को तलाशा जो शादी के लिए वेन्यू ढूंढ रहे थे। इस दौरान उसने एक जगह के बारे में बताकर उन्हें रकम का भुगतान करने के लिए राजी किया जबकि उस जगह से महिला का कोई संबंध नहीं था। जब जोड़े उस जगह पर पहुंचे तब उन्हें समझ में आया कि उनके साथ धोखा हुआ है। जोड़ों ने देखा कि उन्हें बेवकूफ बनाकर एक सुनसान जगह पर भेज दिया गया था जहां पानी और बिजली भी नहीं थी। कंपनी ने बताया कि मोहनलाल ने अधिकारियों को बताया कि वह एक वकील थी जिसे क्लाइंट के ट्रस्ट फंड खाते से पैसे चुराने के बाद लॉ सोसाइटी ने प्रतिबंधित कर दिया था। बाद में यह सामने आया कि आरोपी महिला का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और वह 20 सालों से ज्यादा समय से लोगों को धोखाधड़ी का शिकार बना रही है। वहीं महिला ने आरोपों से इनकार किया है। उसने कहा है कि वह जल्द ही सभी जोड़ों के पैसे लौटा देगी।

भारत सरकार के निशाने पर रहे जॉर्ज सोरोस को एलन मस्क ने भी खूब लताड़ा

न्यूयॉर्क एजेंसी। भारत की नरेंद्र मोदी सरकार के निशाने पर रहे अरबपति जॉर्ज सोरोस को अब एक्स के मालिक और उद्योगपति एलन मस्क ने भी लताड़ा है। जॉर्ज सोरोस पर आरोप लगते रहे हैं कि वह भारत समेत कई देशों में चुनी हुई सरकारों को हटाने के लिए फंडिंग करते रहे हैं। जॉर्ज सोरोस से लिंक के आरोप लगाते हुए भाजपा ने कई बार कांग्रेस को भी घेरा है। हाल ही में सोनिया गांधी के लिंक भी सोरोस से जुड़े एक ट्रस्ट से बताते हुए उन पर निशाना साधा गया था। अब वह एलन मस्क के ही निशाने पर आए हैं। मस्क ने तो जॉर्ज सोरोस पर तीखा हमला करते हुए उन्हें मानवता का ही दुश्मन करार दिया है। एलन मस्क ने एक्स पर लिखा है, जॉर्ज सोरोस इजरायल समेत मानवता के ही दुश्मन हैं। दरअसल उन्होंने यह कॉमेंट उस न्यूज रिपोर्ट को लेकर किया, जिसमें दावा किया गया था कि जॉर्ज सोरोस ने उग्रवादी समूह हमास को 15 मिलियन डॉलर की मदद दी है। इसी हमास के आतंकियों ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल में हमला कर दिया था और सैकड़ों लोगों को बंधक बना लिया था। इन आतंकियों ने महिलाओं और बच्चों समेत 700 से ज्यादा लोगों को कत्ल कर डाला था। अब भी हमास के खिलाफ इजरायल जंग लड़ रहा है। इस बीच इजरायल के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत गिलाड एर्डन का कहना है कि जॉर्ज सोरोस ने हमास को 15 मिलियन डॉलर की मोटी फंडिंग की है। इसी से संबंधित एक रिपोर्ट पर एलन मस्क ने भी तीखी टिप्पणी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जॉर्ज सोरोस ने हमास को समर्थन देने वाले ऐसे कई एनजीओ को 15 मिलियन डॉलर की फंडिंग की है, जो इजरायल के खिलाफ हैं।

पाकिस्तान की 'प्रमुख गैर–नाटो सहयोगी' मान्यता पर संकट, यू.एस. हाउस में नया विधेयक पेश

न्यूयार्क एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में एक बार फिर पाकिस्तान को प्रमुख गैर–नाटो सहयोगी के रूप में मान्यता समाप्त करने का विधेयक पेश किया गया है। रिपब्लिकन कांग्रेसी एंडी बिग्स द्वारा लाए गए इस विधेयक में पाकिस्तान से आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की गई है। इसमें विशेष रूप से हक्कानी नेटवर्क का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि पाकिस्तान को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी जमीन आतंकवादी संगठनों के लिए सुरक्षित पनाहगाह न बने। अफगान–पाक सीमा पर समन्वय अनिवार्य विधेयक में यह शर्त जोड़ी गई है कि अमेरिकी राष्ट्रपति तब तक पाकिस्तान को 'प्रमुख गैर–नाटो सहयोगी' का प्रमाण पत्र जारी नहीं कर सकते, जब तक पाकिस्तान हक्कानी नेटवर्क और अन्य आतंकवादी संगठनों के खिलाफ निर्णायक सैन्य अभियान नहीं चलाता। इसके साथ ही, पाकिस्तान को अफगान सरकार के साथ समन्वय करते हुए अफगान–पाक सीमा पर आतंकवादियों की आवाजाही रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

ट्रिलियन से ज्यादा हो सकती है ग्रीनलैंड की कीमत खरीदेंगे या कब्जा करेंगे ट्रंप? डेनमार्क से होगी टक्कर

फ्लोरिडा , एजेंसी। फ्लोरिडा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक आवश्यक संपत्ति करार दिया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर जरूरत पड़ी तो ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई करने से इंकार नहीं किया जाएगा। ट्रंप ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की पूरी कोशिश कर सकते हैं। उनके हालिया बयानों के बाद भू-राजनीतिक तनाव बढ़ गया है।

डोनाल्ड ट्रंप के बेटे ट्रंप जूनियर हाल ही में ग्रीनलैंड की यात्रा थे। इसे निजी यात्रा बताया गया। लेकिन इसने अटकलें तेज कर दी हैं कि क्या यह यात्रा ग्रीनलैंड के लोगों की राय जानने या अनौपचारिक बातचीत शुरू करने के मकसद से की गई थी। हालांकि, ग्रीनलैंड के स्थानीय प्रतिनिधियों ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया और द्वीप की संप्रभुता पर जोर दिया।

अमेरिका के लिए क्यों महत्वपूर्ण है ग्रीनलैंड : ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है और अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह उत्तर अमेरिका और यूरोप के बीच स्थित है और आर्कटिक क्षेत्र में अमेरिका के सैन्य ठिकानों, जैसे थुले एयर बेस, की सुरक्षा के लिए अहम भूमिका निभाता है।

आर्कटिक के तेजी से पिघलते बर्फ क्षेत्र ने ग्रीनलैंड को संसाधनों का खजाना बना दिया है। यहां दुर्लभ खनिज, तेल और प्राकृतिक गैस के विशाल भंडार मौजूद हैं, जिन्हें ट्रंप प्रशासन अमेरिका की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और चीन पर निर्भरता कम करने का एक महत्वपूर्ण साधन मानता है। इसके अलावा, आर्कटिक में जलवायु परिवर्तन के कारण नए समुद्री व्यापार मार्ग खुल रहे हैं, जो यूरोप और एशिया के बीच व्यापार को तेज और सस्ता बना सकते हैं।

ग्रीनलैंड का आर्थिक और राजनीतिक भविष्य : वर्तमान में, ग्रीनलैंड की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से मछली पालन और डेनमार्क से मिलने वाली सब्सिडी पर निर्भर है। लेकिन ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट एगेडे ने ट्रंप के बयानों को हिस्टीरिया बताया और कहा कि ग्रीनलैंड का भविष्य उसके अपने लोगों के हाथों में है। ग्रीनलैंड के नेता अधिक स्वायत्तता और अंततः स्वतंत्रता की दिशा में प्रयास कर रहे हैं।

ग्रीनलैंड खरीदने की संभावित कीमत : 1946 में, तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने ग्रीनलैंड को 100 मिलियन डॉलर के सोने (वर्तमान में .1.3 बिलियन) से खरीदने की पेशकश की थी। लेकिन आज यह मूल्य कहीं अधिक है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, ग्रीनलैंड की अनुमानित कीमत सैकड़ों अरबों डॉलर से लेकर .1.5 ट्रिलियन तक हो सकती है, जिसमें द्वीप के खनिज संसाधन, रणनीतिक स्थिति और बुनियादी ढांचे के विकास की लागत शामिल है। इसके अलावा, ग्रीनलैंड के 57,000 निवासियों के लिए मुआवजे का सवाल भी उठता है। प्रति व्यक्ति .100,000 से .1 मिलियन तक की सीधी भुगतान योजना का सुझाव दिया गया है, जो कुल लागत में 5.7 बिलियन से 57 बिलियन तक जोड़ सकता है। अर्थशास्त्रियों और विश्लेषकों ने सैकड़ों अरबों से लेकर खरबों डॉलर तक के अनुमान लगाए हैं।

फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रीनलैंड की कीमत उसके दुर्लभ खनिज और संसाधन क्षमता के कारण 1.1 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है। वहीं डेली मेल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रीनलैंड के भूभाग की तुलना अलास्का के 1867 के 7.2 मिलियन डॉलर के खरीद मूल्य से करने पर लागत 230 मिलियन डॉलर आएगी - लेकिन इस आंकड़े में मुद्रास्फीति, आधुनिक संसाधन मूल्यांकन या भू-राजनीतिक दांव शामिल नहीं हैं।

राजनयिक और कानूनी चुनौतियां : ग्रीनलैंड को खरीदने की संभावना केवल आर्थिक पहलुओं तक सीमित नहीं है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय कानूनों, संधियों और राजनयिक बाधाओं का सामना करना होगा। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं ने बार-बार इस प्रस्ताव को खारिज किया है। अगर अमेरिका इसे जबरन हासिल करने की कोशिश करता है, तो यह नाटो सहित अपने प्रमुख सहयोगियों के साथ संबंधों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप की तीखी बयानबाजी और ग्रीनलैंड के प्रति बढ़ती दिलचस्पी न केवल अमेरिका-डेनमार्क संबंधों को प्रभावित कर रही है, बल्कि आर्कटिक क्षेत्र में वैश्विक शक्ति संघर्ष को भी तेज कर रही है।

गर्लफ्रेंड से हुआ झगड़ा, प्रेमी ने चलते हुए विमान का खोल दिया इमरजेंसी गेट ; मची अफरा-तफरी

बोस्टन एजेंसी। अमेरिका के बोस्टन लोगन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर जेटब्लू फ्लाइट में एक यात्री द्वारा अचानक इमरजेंसी गेट खोलने के कारण अफरा-तफरी मच गई। यह घटना फ्लाइट 161 में हुई, जो प्यूर्टो रिको के सैन जुआन रवाना होने वाली थी। आरोपी यात्री की पहचान प्यूर्टो रिको निवासी एंजल लुइस टोरेस मोरालेस के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, अन्य यात्रियों ने तुरंत मोरालेस को रोक लिया। यह घटना मंगलवार शाम करीब 7~30 बजे हुई, जब विमान टैक्सी कर रहा था। टैक्सींग हवाई अड्डे पर किसी विमान के जमीन पर चलने की प्रक्रिया को कहते हैं। यह वह स्थिति होती है जब विमान रनवे पर उड़ान भरने या लैंडिंग के बाद पार्किंग क्षेत्र तक जाने के लिए धीमी गति से चलता है। टैक्सींग के दौरान विमान के इंजन चालू होते हैं, और पायलट विमान को नियंत्रित करता है। विमान के पहियों की मदद से इसे टैक्सीवे पर चलाया जाता है। यह प्रक्रिया उड़ान शुरू करने और खत्म करने का एक अहम हिस्सा होती है। मैसाचुसेट्स राज्य पुलिस के प्रवक्ता टिम मैकगर्क ने बताया कि टोरेस मोरालेस ने अचानक और बिना किसी चेतावनी के विंग के ऊपर स्थित इमरजेंसी गेट खोल दिया, जिससे इमरजेंसी स्लाइड एक्टिव हो गई। एयरलाइन ने अपने बयान में पुष्टि की कि इस घटना के कारण फ्लाइट में देरी हुई। यात्रियों को दूसरे विमान से भेजा गया। घटनास्थल पर मौजूद यात्रियों ने इसे तनावपूर्ण पल बताया। फ्लाइट में मौजूद यात्री फ्रेड विन ने बताया कि टोरेस मोरालेस अपनी गर्लफ्रेंड से मोबाइल फोन को लेकर बहस कर रहा था। विन ने बताया, मुझे लगता है कि बॉयफ्रेंड अपनी गर्लफ्रेंड का फोन देखना चाहता था।

स्वस्थ बच्चे पैसा करो, हजारों के इनाम पाओ; 25 साल से कम की युवतियों के लिए इस देश में खास ऑफर

मास्को, एजेंसी। बीते तीन साल से जंग की आग में जलते रूस की आबादी बूढ़ी हो रही है। रूस में मौजूदा जन्म दर की बात करे तो यह अब तक के सबसे कम स्तर पर पहुंच हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून 2024 में देश में सिर्फ 5,99,600 बच्चे पैदा हुए। यह संख्या 25 सालों में सबसे कम है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने जुलाई 2024 में स्थिति को देश के भविष्य के लिए विनाशकारी बताया था। चीन और जापान जैसे देशों की तरह यहां भी हालात ठीक नहीं है और देश में जनसंख्या को बैलेंस करने के लिए सरकार रोज नए नए तरकीब लगा रही है। इसी कड़ी में घटते जन्म दर को बढ़ाने के लिए रूस के करेलिया की सरकार ने एक नए ऑफर की घोषणा की है। सरकार ने कहा है कि वह परिवार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 25 साल से कम आयु की महिला छात्राओं को इनाम देगी। इसके तहत स्वस्थ बच्चे पैदा करने वाली महिलाओं को 1,00,000 रूबल यानी लगभग 81,000 रुपये दिए जाएंगे। द मॉस्को टाइम्स ने बताया कि इस यह इनाम लेने के लिए इच्छुक युवतियों को स्थानीय विश्वविद्यालय या कॉलेज में फुलटाइम स्टूडेंट होना चाहिए, उनकी उम्र 25 साल से कम होनी चाहिए और करेलिया का निवासी होना चाहिए। कानून में यह भी लिखा गया है कि यह बोनस उन मांओं को नहीं दिया जाएगा।

बंदूक की नोंक पर नहीं मिटा सकते सीमा, फ्रांस-जर्मनी ने ट्रंप को चेताया; ग्रीनलैंड पर सुनाई खरी खोटी

पेरिस एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने की धमकी पर फ्रांस और जर्मनी ने कड़ी आपत्ति जताई है और साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि वह किसी भी देश की संप्रभुता को बल प्रयोग से समाप्त नहीं कर सकते। यूरोपीय देशों की यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह हर हाल में ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने के इच्छुक हैं, और इसके लिए उन्होंने सैन्य कार्रवाई तक की धमकी दी थी।

यह बयान उन टिप्पणियों के बाद आया है, जिनमें ट्रंप ने ग्रीनलैंड, कनाडा और पनामा नहर पर अमेरिकी कब्जे की बात की है। ट्रंप का कहना है कि ये इलाके अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं, और उनका मानना है कि इन क्षेत्रों का अधिग्रहण अमेरिका के हित में होगा। ग्रीनलैंड, जिसे डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र माना जाता है, पर ट्रंप की टिप्पणी ने वैश्विक स्तर पर हलचल मचा दी है। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट इगा पहले ही इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि ग्रीनलैंड उनके लोगों का है और यह बिकाऊ नहीं है। इसके बावजूद, ट्रंप का कहना है कि वह ग्रीनलैंड को अपने अधिकार में लाने के लिए किसी भी कदम को उठाने को तैयार हैं। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने इस मुद्दे पर कड़ी

प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने फ्रांस इंटर रेडियो से बात करते हुए कहा, विश्व में किसी भी देश को, चाहे वह कोई भी हो, अपनी संप्रभु सीमाओं पर हमला करने की अनुमति देना मुमकिन नहीं है। बैरोट ने आगे कहा, हम एक मजबूत महाद्वीप हैं और हमें अपने आप को और मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने ग्रीनलैंड को यूरोपीय क्षेत्र करार देते हुए कहा कि यह डेनमार्क के जरिए यूरोपीय यूनियन से जुड़ा हुआ है, और किसी भी देश को इस पर दावा करने का अधिकार नहीं है। बर्लिन में जर्मन सरकार के प्रवक्ता स्टीफन हेबेस्ट्रेट ने भी ट्रंप की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी और कहा, यहां पर वही पुराना सिद्धांत लागू होता है कि कोई भी देश अपनी सीमा को न तो बलपूर्वक मिटा सकता है और न ही उसे स्थानांतरित कर सकता है। ट्रंप के ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने के बयान पर पूरी दुनिया में व्यापक आलोचना हो रही है, खासकर यूरोप से। अंतरराष्ट्रीय समुदाय में यह चिंता बढ़ रही है कि यदि ऐसे आक्रमक और विस्तारवादी बयान जारी रहते हैं, तो यह वैश्विक राजनीति और सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। यह मुद्दा अब सिर्फ एक द्विपक्षीय समस्या नहीं बल्कि एक वैश्विक चिंता का विषय बन गया है, और यूरोपीय देशों ने ट्रंप की नीति को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। इसके अलावा, इस बात की भी चर्चा है कि ट्रंप के विदेश नीति में इस प्रकार के विवादों से अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय स्थिति और प्रभाव पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

पाकिस्तानी सैना अधिकारी ने भगत सिंह को बताया अपराधी

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान में लाहौर की एक गैर-लाभकारी संस्था के अध्यक्ष ने बुधवार को एक सेवानिवृत्त पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी को महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह को अपराधी करार देने के लिए बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। साथ ही उन्होंने अधिकारी को कानूनी नोटिस भेजकर 50 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है। यह कानूनी नोटिस लाहौर मेट्रोपोलिटन कॉरपोरेशन के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एवं पाकिस्तान सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्त अधिकारी तारिक मजीद को अधिवक्ता खालिद जमा खान के माध्यम से भेजा गया है।

मजीद ने भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी पर विदेशी अनुदान लेने का आरोप लगाया है तथा महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह को अपराधी कहा है। नोटिस में कहा गया है, ''मेरे मुवक्किल (भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान के अध्यक्ष

इम्तियाज रशीद कुरैशी) एक देशभक्त हैं और देश व इस्लाम के प्रति ईमानदार हैं... और अपनी क्षमता के अनुसार जीवन व्यतीत कर रहे हैं तथा उन्होंने पाकिस्तान या विदेश में किसी भी व्यक्ति या समूह से एक भी पैसा नहीं लिया है। नोटिस में कहा गया है कि उनके मुवक्किल (कुरैशी) का उद्देश्य आम आदमी की बेहतरी के लिए लड़ना और पाकिस्तान और भारत को करीब लाना है ताकि आम लोगों को फायदा हो सके।

नोटिस में भगत सिंह के बारे में कहा गया है : ''राष्ट्रपिता कायदे-आज़म मोहम्मद अली जिन्ना ने 12.09.1929 को सेंट्रल असेंबली दिल्ली में भगत सिंह की सराहना की थी...। कुरैशी ने कहा कि मजीद ने नवंबर में लाहौर उच्च न्यायालय को सौंपी अपनी रिपोर्ट में ''अत्यंत भद्दी और अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया था। नवंबर में जिला प्रशासन ने लाहौर उच्च न्यायालय को बताया कि कमोडोर (सेवानिवृत्त) मजीद द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आलोक में उसने लाहौर के शादमान चौक का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने की योजना को रद्द कर दिया है, जहां उन्हें लगभग 94 साल पहले फांसी दी गई थी। अपनी रिपोर्ट में मजीद ने दावा किया कि सिंह '' क्रांतिकारी नहीं बल्कि एक अपराधी थे। आज की भाषा में वह एक आतंकवादी थे जिन्होंने एक ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या की और इस अपराध के लिए उन्हें दो साथियों के साथ फांसी पर लटका दिया गया। मजीद ने कुरैशी पर विदेशी धन लेने का भी आरोप लगाया था और उनकी आस्था पर भी सवाल उठाए थे।

अमेरिका में लगी आग हॉलीवुड तक पहुंची, 1 लाख लोगों को निकलने का आदेश; 5 की मौत

लॉस एंजिलिस एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर में लगी आग बेकाबू हो गई है। इस आग की चपेट में आने से तमाम घर जल गए हैं और वाहनों भी धू-धूकर राख हो गए। हॉलीवुड हिल्स क्षेत्र में भीषण आग लगने की घटना में पांच लोगों की मौत हो गई तथा एक लाख से अधिक लोगों को दूसरे स्थानों पर जाने का आदेश दिया गया है। आग मंगलवार रात हॉलीवुड बाउल के निकट और हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम से कुछ ही दूरी पर लगी। घटना के बाद ग्राउमन चाइनीज थियेटर और मैडम तुसाद संग्रहालय के आसपास की सड़कों पर वाहनों की भीड़ देखी गई और हर ओर से सायरन बजने की आवाज आ रही थी। इसके अलावा कम ऊंचाई पर उड़ते हेलीकॉप्टर आग पर पानी डाल रहे थे। लोग सूटकेस लेकर पैदल ही होटलों से बाहर निकल गए। आग के कारण 1,000 से अधिक इमारतें खत्म हो गईं। इनमें से ज्यादातर मकान हैं। इसके अलावा महानगरीय क्षेत्र में 1,30,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में 10 से अधिक स्कूल या तो क्षतिग्रस्त या फिर नष्ट हो गए। इनमें पैलिसेड्स चार्टर हाई स्कूल भी शामिल है, जिसे 1976 की हॉरर फिल्म कैरी और टीवी सीरीज टीन वुल्फ समेत कई हॉलीवुड फिल्मों व सीरीज में दिखाया गया है। लॉस एंजिलिस की मेयर कैरेन बास ने कहा कि हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर आग बुझाने के प्रयास

जारी हैं। उन्होंने कहा कि हवाओं की अस्थिर गति के कारण आग बुझाने में परेशानी हो रही है, हालांकि मंगलवार रात की तुलना में हवाओं की गति थोड़ी धीमी है। पासाडेना में अग्निशमन प्रमुख चाड ऑगस्टिन ने कहा कि मंगलवार रात से शुरू हुई आग से 200 से 500 संरचनाएं क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई हैं। उन्होंने कहा कि शहर की जल व्यवस्था पर बहुत अधिक दबाव है तथा बिजली कटौती के कारण जल व्यवस्था और प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के न होने पर भी अग्निशमन कर्मी आग को नहीं रोक पाते, क्योंकि तेज हवाओं के कारण एक के बाद एक कई ब्लॉक में आग फैलती चली गई। उन्होंने कहा, हम कल रात आग को काबू नहीं कर पाए। अस्थिर हवाओं के कारण आग कई मील आगे तक फैल गई है। बता दें कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आगजनी की इस घटना को आपदा घोषित किया है।

भारत के खिलाफ जिहाद की बात कहकर पीओके में ही घिर गए वहां के प्रधानमंत्री, बर्खास्तगी की होने लगी मांग

पेशावर एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के प्रधानमंत्री अनवर उल हक ने हाल ही में भारत के खिलाफ जिहाद का आह्वान करके आतंकवादियों की पुरानी बयानबाजी को दोहराया। उन्होंने घोषणा की कि उनकी सरकार जम्मू-कश्मीर से भारतीय सेना को बाहर निकालने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों को जुटाएगी। उनकी टिप्पणियों की व्यापक रूप से आलोचना की गई है। कई लोगों ने उन्हें दोनों देशों के बीच शांति बनाए रखने की संभावना के लिए खतरा बताया है।

हक का यह बयान 5 जनवरी को मुजफ्फराबाद में अधिकार की स्वतंत्रता दिवस रैली में आया था। इस रैली में अल-जिहाद, अल-जिहाद के नारे लगाए गए। इस मौके पर हक ने कहा, अगर 3 रुपये में बिजली और 2,000 मन (लगभग 37 किलोग्राम प्रति मन) आटा देने से राज्य डूब नहीं जाता है, तो अल्लाह के रास्ते में जिहाद जायज है। उन्होंने कश्मीर को भारत से अलग करने और घाटी में तैनात 10 लाख भारतीय सैनिकों को बाहर करने के लिए जिहादिस्ट संस्कृति को पुनर्जीवित करने का समर्थन किया।

हक के भड़काऊ बयान पर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और राजनीतिक नेताओं द्वारा व्यापक आलोचना की गई है। मानवाधिकार कार्यकर्ता अमजद आयुब मिर्जा ने हक के भाषण को राजनीतिक रूप से पिछड़े हुए क्षेत्रों को फिर से हासिल करने की एक निराशाजनक कोशिश बताया। मिर्जा ने चेतावनी दी कि ऐसे भड़काऊ बयान क्षेत्र में पहले से ही अस्थिर स्थिति को और बढ़ा सकते हैं और यह कश्मीर में धर्मनिरपेक्ष आवाजों के लिए खतरा बन सकता है। मिर्जा ने कहा, यह एक लापरवाह कदम है। उन्होंने संयुक्त

राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस प्रकार के खतरनाक भावनाओं को क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान पहुंचाने से रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने हक की बर्खास्तगी की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि वह राजनीतिक लाभ के लिए धार्मिक भावनाओं का शोषण कर रहे हैं। संयुक्त कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी के नेता साजिद हुसैन ने भी इसकी आलोचना की है। हुसैन ने एक वीडियो बयान में कहा कि हक का जिहाद की अपील क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा, यह बयान उग्रवाद से जुड़ा हुआ है और कूटनीतिक मानदंडों से एक खतरनाक मोड़ है। उनका मानना था कि इस प्रकार की बयानबाजी से हिंसा भड़क सकती है और कश्मीर मुद्दे को शांति से हल करने के प्रयासों को विफल कर सकती है।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ऐसे आतंकवादी उकसावे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की अपील की है। उन्होंने हम संयुक्त राष्ट्र, स्न्नञ्स्न और अन्य वैश्विक संस्थाओं से यह मांग करते हैं कि हक जैसे नेताओं को हिंसा को उकसाने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाए। हक के बयान के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि इस प्रकार की भड़काऊ बयानबाजी आतंकवादी समूहों को प्रोत्साहित कर सकती है, क्षेत्र को अस्थिर कर सकती है। साथ ही शांति पहलों को विफल कर सकती है। भारत ने लगातार यह कहा है कि जम्मू और कश्मीर देश का अभिन्न हिस्सा है और क्षेत्र में शांति भंग करने की किसी भी कोशिश का डटकर जवाब दिया जाएगा। आपको बता दें कि हक का बयान क्क्ष्य में बढ़ते असंतोष के बीच आया है। पीओके के स्थानीय लोग पाकिस्तान के राजनीतिक और आर्थिक हस्तक्षेप के खिलाफ लगातार अपनी शिकायतें व्यक्त कर रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि हक का जिहाद पर ध्यान केंद्रित करना क्क्ष्य के भीतर व्याप्त गंभीर मुद्दों, जैसे आर्थिक कठिनाइयों और शासन की कमी से ध्यान हटाने की एक चाल है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गैरकानूनी नर्सिंग इंस्टिट्यूट के खिलाफ कार्रवाई न होने पर NSUI का विरोध

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में कलक्टर कार्यालय के बाहर एक विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसमें NSUI (नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया) के कार्यकर्ताओं ने ग़ैरकानूनी तरीके से चल रहे नर्सिंग इंस्टिट्यूट के खिलाफ कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने पोस्टर के साथ नारेबाजी की और विरोध जताया।

इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने नकली नोट भी उड़ा दिए, जिससे प्रशासनिक अधिकारियों में हलचल मच गई। यह विरोध प्रदर्शन तब हुआ जब स्थानीय नर्सिंग इंस्टिट्यूट द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जा रहा था, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। हस्ड्ढ ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की और कहा कि यदि जल्द ही उचित कदम नहीं उठाए गए तो वे अपने विरोध को और तेज करेंगे।

सूरत में नर्सिंग शिक्षा में नकली डिग्रियों और अवैध गतिविधियों के खिलाफ जनता और छात्रों में गुस्सा देखा गया है। कामल नर्सिंग इंस्टिट्यूट ऐसी ही अवैध गतिविधियों में संलिप्त था, लेकिन इसके खिलाफ उचित कार्रवाई न होने पर यूथ कांग्रेस और हस्ड्ढ ने कलक्टर कार्यालय के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

NSUI के सदस्यों ने नकल के खिलाफ विरोध जताते हुए कलक्टर कार्यालय में नकली नोट उड़ाए, जिससे प्रशासन के खिलाफ गहरी नाराजगी व्यक्त की गई। प्रदर्शनकारियों ने इस मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई की मांग की और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो उनका विरोध और बढ़ सकता है।

NSUI के कार्यकर्ताओं ने छात्रों के साथ मिलकर नकली नोटों की बारिश कर विरोध प्रदर्शन को और भी आकर्षक बना दिया। उनका मुख्य विरोध नर्सिंग इंस्टिट्यूट द्वारा गलत शिक्षा कार्यक्रमों और कोर्स के नाम पर छात्रों के असली दस्तावेज़ जमा करने पर केंद्रित था।

विरोध करने वालों का दावा था कि यह संस्थान फर्जी एडमिशन लेने और छात्रों के असली दस्तावेज़ जमा रखने के कारण उनके भविष्य को खतरे में डाल रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के चलते छात्रों को गंभीर नुकसान हो सकता है, और उनका भविष्य संदेह में पड़ सकता है।

NSUI के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सोलंकी ने बताया कि छात्रों ने शिकायत की थी कि उन्हें बेंगलुरु में पढ़ाई के लिए गलत तरीके से एडमिशन दिया गया था और शुल्क लिया जा रहा था। 20 साल से अधिक समय से यह संस्थान एडमिशन और पाठ्यक्रमों का शोषण कर रहा है। इसने छात्रों के कानूनी अधिकारों पर गंभीर आर्थिक और मानसिक प्रभाव डाला है। उन्होंने सरकार और कानूनी एजेंसियों से तत्काल कार्रवाई करने की अपील की थी, लेकिन अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया। इस विवादित संस्थान ने छात्रों और उनके परिवारों का विश्वास खो दिया है, और परिणामस्वरूप अब वे कानूनी कदम उठाने की योजना बना रहे हैं।

सूरत रेलवे स्टेशन ट्रेन में तोड़फोड़

प्लेटफॉर्म-4 पर पहुंची ट्रेन के दरवाजे नहीं खुले, युवक की अश्लील हरकत से भड़के यात्री,6गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म-4 पर एक ट्रेन के दरवाजे न खुलने की घटना के बाद माहौल गर्मा गया। ट्रेन में सवार एक युवक द्वारा अश्लील हरकत किए जाने से यात्री गुस्से में आ गए। यह मामला इतना बढ़ गया कि यात्रियों ने तोड़फोड़ शुरू कर दी।

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे पुलिस ने स्थिति को संभालने के लिए तत्काल कार्रवाई की। पुलिस ने इस मामले में 6 लोगों को हिरासत में लिया है।

प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि ट्रेन के दरवाजे तकनीकी खराबी के कारण नहीं खुले थे, लेकिन युवक की अश्लील हरकत ने यात्रियों को भड़काने का काम किया। पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सूरत रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर खड़ी अजमेर-बांद्रा ट्रेन के जनरल कोच का दरवाजा खोलने के मुद्दे पर यात्रियों के बीच झगड़ा हो गया। ट्रेन के जनरल कोच का दरवाजा खोलने के लिए बाहर खड़े यात्रियों ने कहा, लेकिन अंदर मौजूद दो युवकों ने दरवाजा खोलने की कोशिश की। इस पर अन्य यात्रियों ने विरोध करते हुए दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया, जिससे विवाद बढ़ गया।

झगड़े के दौरान, एक युवक ने पैंट उतारकर अश्लील हरकत की, जिससे यात्री गुस्से में आ गए। नाराज यात्रियों ने ट्रेन में तोड़फोड़ शुरू कर दी और खिड़कियों के शीशे और लोहे की ग्रिल तोड़ दी।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (RPF) ने 5 और रेलवे पुलिस ने 1 व्यक्ति को हिरासत में लिया। सभी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन पर जुर्माना लगाया गया। रेलवे पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

अजमेर से मुंबई की ओर जाने वाली अजमेर-दादर ट्रेन सूरत रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर खड़ी थी। जनरल कोच में बैठने के लिए प्लेटफॉर्म पर खड़े यात्री दौड़ पड़े, लेकिन कोच के अंदर बैठे यात्रियों ने दरवाजा अंदर से बंद कर दिया। प्लेटफॉर्म पर खड़े यात्रियों ने दरवाजा खोलने को कहा, जिस पर दो युवकों ने दरवाजा खोलने की कोशिश की। लेकिन, कोच के अन्य यात्रियों ने इसका विरोध करते हुए दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया। इस दौरान मामला गर्मा गया।

झगड़े के दौरान ट्रेन के अंदर से एक युवक ने पैंट उतारकर अश्लील हरकत की, जिससे प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्री गुस्से में आ गए। इसके बाद, उन्होंने ट्रेन में तोड़फोड़ शुरू कर दी। खिड़कियों के शीशे और लोहे की ग्रिल को नुकसान पहुंचाया गया।

घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई लोगों को हिरासत में लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रेनों के स्टॉपेज में बदलाव के कारण रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (RPF) और रेलवे पुलिस का स्टाफ प्लेटफॉर्म पर तैनात था। घटना के दौरान जनरल कोच के पास मौजूद स्टाफ ने तुरंत हस्तक्षेप कर मामले को शांत करवाया।

हालांकि, ट्रेन के रवाना होने पर कुछ यात्रियों ने चेन पुलिंग कर ट्रेन रोक दी। इस पर RPF ने 5 यात्रियों को हिरासत में लिया और उन्हें कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने सभी पर जुर्माना लगाया।

इसके अलावा, रेलवे पुलिस ने एक और व्यक्ति को हिरासत में लिया और उसके खिलाफ भी कार्रवाई की। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों को चेतावनी दी है कि ऐसी गतिविधियों से बचें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वलसाड पुलिस ने रेलवे स्टेशन से एक युवक को हिरासत में लेकर सूरत रेलवे पुलिस को सौंप दिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि युवक ने सूरत स्टेशन पर ट्रेन के जनरल कोच का दरवाजा अंदर से लॉक कर दिया था, जिससे अन्य यात्री ट्रेन के अंदर प्रवेश नहीं कर सके। युवक पर अश्लील हरकत करने का भी आरोप है।

सूरत रेलवे पुलिस ने आरोपी परवेज इकबाल कुरैशी (उम्र 28, निवासी जीवनबाग, मुंबई) को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले की तह तक पहुंचने के लिए गहराई से छानबीन कर रही है।

दांहन की एक होटल में रेव पार्टी में अधिकारियों की कथित उपस्थिति

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दांहन की एक होटल में रेव पार्टी का आयोजन किया गया था, जिसमें कथित तौर पर कुछ अधिकारी भी मौजूद थे। इस मामले में अधिकारियों की भूमिका और उनके संबंधों की जांच की जा रही है। पुलिस और संबंधित अधिकारी मामले की जांच में जुटे हुए हैं और इस तरह की घटनाओं से जुड़े किसी भी गलत कार्य को सख्ती से निपटने की योजना बना रहे हैं।

वास्तविकता सामने लाने शिवसेना की डीआईजी को रजुआत

शिवसेना ने डीआईजी (डीपार्टमेंटल इंस्पेक्टर जनरल) को एक रजुआत दी है, जिसमें उन्होंने वास्तविक तथ्यों को सामने लाने की अपील की है। पार्टी का आरोप है कि कुछ मामलों में तथ्यात्मक असंगतियां हैं, और इस रजुआत के माध्यम से वे चाहते हैं कि संबंधित विभाग स्थिति की सही जानकारी और स्पष्टता प्रदान करे। शिवसेना की ओर से यह कदम उठाया गया है ताकि किसी भी प्रकार की भ्रांतियों को समाप्त किया जा सके और न्यायसंगत कार्रवाई की जा सके।

दादरा नगर हवेली के एक होटल में आयोजित रेव पार्टी में अधिकारियों की कथित उपस्थिति के बारे में समाजसेवी ने प्रशासक को पत्र लिखा है, जिससे क्षेत्र में भारी चर्चा का माहौल बन गया है। जागरूक नागरिक द्वारा दानहनी के एक होटल में रेव पार्टी का पर्दाफाश करते हुए शराब, ड्रग्स और लाइव डांस के बीच सरकारी अधिकारियों की कथित उपस्थिति पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इस प्रकार के अधिकारियों की उपस्थिति का दावा किया गया है, और यह भी बताया गया कि इस पार्टी में शामिल व्यक्तियों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की गई थीं।

प्रदेश में लोग इस घटना की निंदा कर रहे हैं। इस प्रकार के आयोजनों से नशीले पदार्थों को बढ़ावा मिलता है, जो पिछले कुछ वर्षों से युवाओं के नशे की चपेट में आने का कारण बन रहे हैं। युवाओं को नशे की बर्बादी से बचाने की अपील करते हुए, इस रेव पार्टी में कौन-कौन से अधिकारी उपस्थित थे, और प्रतिष्ठित होटल कौन सा था, इसके साथ ही रेव पार्टी में शामिल अधिकारियों, होटल मालिक और आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करते हुए दानह के जागरूक नागरिक ने डीआईजी को रजुआत की है। अधिकारी की रेव पार्टी में उपस्थिति की भारी चर्चा हो रही है।

सूरत की ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (JMFC) कोर्ट ने लालगेट पुलिस स्टेशन को जांच करने का आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के गुम हेड कांस्टेबल मिथुन चौधरी के केस में नई प्रगति हुई है। सूरत की ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास (JMFC) कोर्ट ने लालगेट पुलिस स्टेशन को जांच करने का आदेश दिया है। यह आदेश चौधरी की पत्नी द्वारा दाखिल की गई याचिका के आधार पर दिया गया है, जिसमें उन्होंने IPC धारा-395 के तहत मामला दर्ज करने के लिए दबाव डाला था।

मिथुन चौधरी 13 अगस्त 2022 को लापता हो गए थे। उन्होंने 18 अगस्त 2022 को अपनी पत्नी के साथ टेलीफोन पर बात की थी, जिसमें उन्होंने मानसिक दबाव का सामना करने की बात की थी। हालांकि, उसके बाद उनका संपर्क टूट गया।

कोर्ट के आदेश के अनुसार, इस केस की जांच DCB (डिटेक्टिव क्राइम ब्रांच) की देखरेख में की जाएगी। DCB स्तर के अधिकारी को हर महीने इस केस की जांच रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया गया है।

सूरत में पिछले दो साल से गायब हेड कांस्टेबल मिथुन चौधरी के केस में नई प्रगति हुई है। सूरत की ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास कोर्ट ने लालगेट पुलिस स्टेशन को जांच करने का आदेश दिया है। यह आदेश चौधरी की पत्नी द्वारा दायर की गई अर्जी के आधार पर दिया गया है, जिसमें उन्होंने IPC की धारा-395 के तहत अपराध दर्ज करने का दबाव डाला था।

मिथुन चौधरी 13 अगस्त, 2022 को लापता हो गए थे। उस दिन के बाद से वे काम पर नहीं लौटे थे। मामले के संबंध में, उन्हें ष्ठक्र(कोल डेटा रिकॉर्ड) चोरी के मामले में दो दिन के लिए दिल्ली ले जाया गया था। वहां से 18 अगस्त तक उनकी पत्नी के साथ टेलीफोन पर बातचीत हुई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया था कि उन्हें भारी मानसिक यातना का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन 18 अगस्त के बाद से उनका कोई संपर्क नहीं हुआ।

कोर्ट के आदेश के अनुसार, इस मामले में अब DCB (डिटेक्टिव क्राइम ब्रांच) की निगरानी में जांच आवश्यक मानी गई है। DCB स्तर के अधिकारी को हर महीने इस केस की जांच का रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है।

याचिका के दौरान, कोर्ट ने यह नोट किया कि मिथुन चौधरी को आखिरी बार दिल्ली ले जाया गया था, जिसके बाद उनके मानसिक दबाव की शिकायतें उठी थीं। इस घटना पर पर्याप्त जांच न किए जाने की शिकायत उनके परिवार द्वारा की गई थी। लालगेट पुलिस स्टेशन को अब इस मामले में अपनी कार्यक्षमता बढ़ानी होगी और हर महीने रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। मिथुन चौधरी के लापता होने के मामले ने उनके परिवार के लिए गंभीर स्थिति उत्पन्न कर दी है। अब कोर्ट के आदेश के बाद जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

बड़ी दमण में एक्साइज विभाग के गोदाम से शराब की चोरी,9 पकड़े गए।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

संघप्रदेश दमण के मोटी दमण कोस्टल पुलिस को एक्साइज विभाग के इंस्पेक्टर एल्फिन्स्टन अजवेदो ने शिकायत दी थी कि 3 जनवरी 2025 को फोर्ट एरिया मोटी दमण में स्थित पीडब्ल्यूडी गोदाम से जहां जब्त की गई शराब रखी जाती है, वहां से शराब की चोरी का पता चला था। स्थल निरीक्षण करने पर गोदाम में ताला होने के बावजूद अंदर से 15,420 शराब की बोतलें गायब पाई गईं। जांच में यह सामने आया कि कुछ लोगों ने गोदाम की छत के पटरे हटा कर अंदर प्रवेश कर शराब की चोरी की थी। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। गोदाम के आसपास लगे सीसीटीवी की जांच करने पर परियारी मोटी दमण निवासी विशाल हलपति को पकड़ कर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अन्य लोगों के साथ मिलकर शराब की चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपी विशाल सहित कुल 9 लोगों को गिरफ्तार कर मामले की जांच जारी रखी है। शराब की चोरी कर आरोपियों ने यह जखीरा वाकड निवासी दक्षेश हलपति को बेचने की बात कबूल की है, जिसके बाद पुलिस ने दक्षेश को भी गिरफ्तार कर लिया।

दमण पुलिस ने शराब चोरी के मामले में 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में विशाल भीखू हलपति (परियारी मोटी दमण), हिरल रमण हलपति (तलाव फलिया भामटी मोटी दमण), दक्षेश ईश्वर हलपति (स्कूल फलिया मोटी वाकड नानी दमण), चिराग जगदीश हलपति (नाइला पारडी मोटी दमण), विशाल निमु महेश हलपति (स्कूल फलिया मोटी दमण), जिगर राजू हलपति (नाइला पारडी मोटी दमण), प्रतीक भीखू हलपति (परियारी मोटी दमण), विवेक दीपक हलपति (देसाइवाड हरि फलिया वापी), और हर्ष दीपक हलपति (देसाइवाड हरि फलिया वापी) शामिल हैं। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के बाद आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

इच्छापोर में एक ट्रक द्वारा दूसरे ट्रक को ओवरटेक करते वक्त दोनों ट्रकों के बीच हादसा,घायल ट्रक का ड्राइवर कबीने में फंसा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

इच्छापोर में दो ट्रकों के बीच एक दुर्घटना हुई, जिसमें एक ट्रक ड्राइवर कबीने में फंस गया। हादसा होते ही फायर ब्रिगेड ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और ड्राइवर को कबीने से सुरक्षित बाहर निकाला। राहत कार्यों के बाद ड्राइवर को अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

पिछले ट्रक ने ओवरटेक करने की कोशिश में हादसा किया था। इस कारण दोनों ट्रकों के बीच टक्कर हो गई, जिसमें एक ट्रक का ड्राइवर कबीने में फंस गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर ड्राइवर को बाहर निकाला और उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस इस हादसे की जांच कर रही है, और ओवरटेक की कोशिश को मुख्य कारण माना जा रहा है।

इच्छापोर में एक ट्रक द्वारा दूसरे ट्रक को ओवरटेक करते वक्त दोनों ट्रकों के बीच हादसा हो गया था, जिसमें घायल ट्रक का ड्राइवर कबीने में फंस गया था। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने ड्राइवर को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। इसके बाद फायरब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और उनके उपकरणों की मदद से ड्राइवर को रेस्क्यू किया और उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा इच्छापोर ब्रिज उतरते होटल हजीरा के पास गुरुवार सुबह दो ट्रकों के बीच हादसा हो गया था। एक ट्रक को ओवरटेक करने के प्रयास में पीछे से आए ट्रक के ड्राइवर ने दुर्घटना कर दी थी। इस दुर्घटना में आगे वाले ट्रक का ड्राइवर श्रीराम सिंह कबीने में फंस गया था। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने उसे बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन उसका एक पैर कबीने के प्लेट से फंस गया था, जिससे वे सफल नहीं हो पाए। अंत में फायरब्रिगेड की मदद ली गई। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ऑफिसर दुर्गेश लोंकर और उनकी टीम मौके पर पहुंचे और फायर सेफ्टी टूल्स की मदद से कबीने के प्लेट को काटकर ड्राइवर को बाहर निकाला और उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा।